राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,01 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-250 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

SMC ने एसआरपी टीम के साथ राखी भेस्तान में जर्जरित आवास खाली कराने के लिये काटे गई पानी-ड्रेनेज कनेक्शन काटे

क्रांति समय दैनिक समाचार

सुरत, सुरत के उधना ज़ोन में बने सरस्वती आवास में पिछले कुछ दिनों में दो बार आकस्मिक घटना बनी होने से आवास जर्जरित हालत में होने से आवास में रहने वाले सभी व्यकितयों को खाली करने के लिये बार-बार कहा गया लेकिन आवास में रह रहे लोगों ने विरोध करने के बाद आवास को खाली करने के लिये सुरत महानगर पालिका ने एस आरपी की टीम साथ में रख कर पूरा आवास के पानी और ड्रेनेज की कनेक्शन काट दिया गया.अब देखा यह हैं की किस प्रकार की आवास के लोगों ने इस प्रकिया के बाद अपना आवास में रहते हैं

भेस्तान के सरस्वती आवास में हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जो जर्जर और खतरनाक हो गया है. सूत्रों के अनुसार पिछले बुधवार को आवास में भी एक भाग टूट गया था। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

600 मकान हैं।
370 फ्लैट धारकों को नोटिस दिया गया था
उधना जोन के कार्यकारी अभियंता सुजल प्रजापति ने कहा कि भेस्तान सरस्वती आवास में करीब 600 फ्लैट हैं। सर्वेक्षण के दौरान केवल 370 आवास धारकों को पंजीकृत किया गया था और उनके नाम शॉर्टलिस्ट किए गए थे। सभी को अस्थाई आवास आवंटित किया गया था, लेकिन वह आवास में रहने जाने को तैयार नही होने से सभी को बार-बार सुचना देने के बाद भी कोई असर नही पड़ रहा था

गुरुवार को सुबह १० बजे एसआरपी कंपनी-पुलिस, सुरक्षा-दबाव कर्मचारियों के साथ उधना जोन पहुंचे और नल-नाली की मुख्य लाइन का वितरण कनेक्शन काट दिया.

जर्जरित आवास के पास बना यह दुकानों किसी भी अधिकारी/कर्मचारियों को क्यों नही आया नजर या किया नजरअंदाज

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

दिल्ली में देशभक्ति

राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों में देशभक्ति का पाठ पढ़ाने का फैसला अनुकरणीय और स्वागतयोग्य है। दिल्ली के स्कूलों में इसी सप्ताह देशभक्ति बढ़ाने संबंधी पाठ्यक्रम की शुरुआत कर दी गई है। केवल प्राथमिक कक्षा ही नहीं, बल्कि नर्सरी कक्षा से 12वीं कक्षा तक देशभक्ति का पाठ पढ़ाया जाएगा। इस पाठ के तहत बच्चों, किशोरों को देश के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराया जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देशभक्ति पाठ्यक्रम शुरू करते हुए कहा है कि ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है, जहां लोग 24 घंटे देशभक्ति का अनुभव करें। अक्सर देखा गया है कि लोग देशभक्ति गीत सुनते समय और देशभक्ति की फिल्म देखते हुए अभिभूत होते हैं। बाकी समय उनका व्यवहार देश के प्रति उदासीन ही रहता है। ऐसे बहुत कम लोग होते हैं, जो यह सोचते हैं कि उनके किसी कार्य से देश को नुकसान तो नहीं होगा। उत्साह से भरे केजरीवाल ने यहां तक कहा है कि देशभक्ति पाठ्यक्रम भारत की प्रगति यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। दिल्ली में शुरू हुआ यह ताजा पाठ्यक्रम अगर देशभक्तों की संख्या बढ़ा सका, तो यह समाज में किसी क्रांति से कम नहीं होगा। ऐसे नागरिक चाहिए, जो देश को सबसे पहले या सबसे आगे रखकर चलें। जो कुछ भी करने से पहले यह जरूर सोचें कि इससे उनका देश कमजोर होगा या मजबूत। हालांकि, यह उम्मीद करना अतिरेक ही होगा कि देश में किसी ऐसी पीढ़ी का पदार्पण होगा, जो पैसे या धन को तरजीह नहीं देगी। आज के समय में पैसे को तरजीह देना जरूरी है, लेकिन नैतिकता का स्तर ऐसा होना चाहिए कि जब प्रश्न देश का आए, तब उससे किसी तरह का समझौता न किया जाए। वाकई देश को देशभक्त डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और अन्य पेशेवरों की जरूरत है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत है देशभक्त नेता। अगर शासन और प्रशासन में बैठे लोग ईमानदार हो जाएं, अगर वे अपनी शपथ हमेशा याद रखें, संविधान के मूल मकसद को याद रखें, तो फिर इससे अच्छी बात क्या हो सकती है? जब नेता और अधिकारी संविधान के नाम पर ली गई शपथ भूल जाते हैं, तभी भ्रष्ट होते हैं। भ्रष्ट होना भी देशद्रोह ही है। देशभक्ति पढ़ाने से निश्चय ही लाभ होगा, पर बड़े लोगों को अपने व्यवहार से देशभक्ति का प्रमाण भी देते रहना होगा। ध्यान रहे, बच्चे पढ़कर कम और देखकर ज्यादा सीखते हैं। बहरहाल, देश के दूसरे राज्यों की सरकारों को भी इस देशभक्ति पाठ्यक्रम पर निगाह डालकर सीखने की जरूरत है। यह पाठ्यक्रम 100 स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों के साथ शुरू हो रहा है। दिल्ली में जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होगा, वह लगभग 700-800 ऐसे सेनानियों के बारे में जान पाएगा। सेनानियों के बारे में पहले भी काफी कुछ पढ़ाया-बताया जाता रहा है, लेकिन अब निर्दिष्ट रूप से पढ़ाने-बताने की कोशिश किसी प्रयोग से कम नहीं है। शिक्षा संस्थाओं और विशेषज्ञों को इस पहल पर ध्यान देना चाहिए। यह शोध का विषय है कि पढ़ाई का कितना प्रत्यक्ष असर चरित्र पर पड़ता है। बहुत अच्छा पढ़े-लिखे लोग भी भ्रष्टाचार में डूबे नजर आते हैं। कहा जाता है कि पढ़े-लिखे लोग ही अक्सर देशद्रोह के काम में दिखते हैं। अत- विशेष रूप से शिक्षकों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ गई है। बच्चों को देशभक्ति के लिए हम तभी ज्यादा प्रेरित कर पाएंगे, जब हमारी कथनी-करनी का भेद मिटेगा।

'आज के ट्वीट

जीतता

मैं कभी हारता नहीं या तो जीतता हूँ या तो सीखता हूँ।

-- विवेक बिन्द्रा

राजस्थान कांग्रेस में खत्म होगा सत्ता संघर्ष ?

- रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान की राजनीति में इन दिनों एक बड़ी खबर निकल कर आ रही है। राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट की एक सप्ताह में दो बार कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से राजस्थान की राजनीति को लेकर लंबी चर्चा हुई है। इस खबर के बाद राजस्थान में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। प्रदेश के कई बड़े नेता इन दिनों दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान से मिलकर फीडबैक दे रहे हैं। पंजाब में कांग्रेस पार्टी के भीतर अबतक चल रहे विवाद के बीच अब राजस्थान कांग्रेस की राजनीति में भी बड़ा बदलाव होता नजर आ रहा है। राजस्थान में काफी समय से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के मध्य मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान चल रही है। इसी कारण पिछले वर्ष सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री गहलोत के खिलाफ बगावत कर 22 विधायकों को लेकर एक महीने तक गुड़गांव में डेरा डेरा डाला था। उस वक्त कांग्रेस आलाकमान ने पायलट के पक्ष को अनसुना कर गहलोत के दबाव में सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद तथा उनके समर्थक दो मंत्रियों महाराजा विश्वेंद्र सिंह व रमेश मीणा को कैबिनेट मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया था। उस समय पायलट की बगावत से डरकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को एक महीने तक जयपुर, जैसलमेर के होटलों में बाड़ेबंदी कर बंद रखा था। तब मुख्यमंत्री गहलोत कांग्रेस आलाकमान को यह समझाने में सफल रहे थे कि सचिन पायलट ने अंदरखाने भाजपा से मिलकर उनकी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया है, जिसकी सजा उन्हें मिलनी चाहिए। इसी कारण पार्टी आलाकमान ने पायलट व उनके समर्थकों को पदों से हटा दिया था। लंबे समय तक गहलोत के विरोध में रहने के बावजूद सचिन पायलट द्वारा पार्टी नहीं छोड़ने और पार्टी के खिलाफ कुछ भी नहीं बोलने के कारण कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने मध्यस्थता कर सचिन पायलट की बगावत को समाप्त करवा कर उनको फिर से पार्टी की मुख्यधारा में शामिल करवाया था। उस समय प्रियंका गांधी के प्रयासों से कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को आश्वस्त किया गया था कि उनके द्वारा गहलोत को लेकर की गई शिकायतों का सही मंच पर समुचित समाधान करवाया जाएगा। उसी कड़ी में राजस्थान के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अहमद पटेल, केसी वेणुगोपाल व अजय माकन की एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। उक्त समिति को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व सचिन पायलट के पक्ष को सुनकर दोनों नेताओं के मध्य सामंजस्य स्थापित करवाना व दोनों के मध्य उपजे मतभेद को समाप्त करवाने का काम सौंपा गया था। मगर अचानक ही अहमद पटेल की कोरोना से मौत हो जाने के कारण समिति लंबे समय तक निष्क्रिय रही। अपनी उपेक्षा के बावजूद पायलट ने पार्टी लाइन नहीं छोड़ी। अंततः कांग्रेस आलाकमान ने पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन को जयपुर भेजकर गहलोत व पायलट विवाद को समाप्त करवाने की दिशा में फिर से पहल की। केसी वेणुगोपाल व अजय माकन जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट सहित विभिन्न नेताओं से लंबी चर्चा कर दोनों नेताओं के मध्य व्याप्त मतभेदों को समाप्त करवाने के लिए फीडबैक लिया। लेकिन कोई सर्वसम्मत फार्मूला नहीं बन पाया। इसी दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उनकी पत्नी सुनीता गहलोत कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गई। जिसके चलते मुख्यमंत्री को लंबे समय तक एकांतवास में रहना पड़ा। उसके बाद भी उन्होंने कोरोना बाद की समस्या को लेकर लोगों से मिलना बंद कर मुख्यमंत्री आवास से ही राज कार्य संपादित करने लगे। इसी दौरान एकबार फिर प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन जयपुर आकर कांग्रेस व कांग्रेस को बाहर से समर्थन दे रहे सभी निर्दलीय विधायकों से रूबरू मुलाकात की। जयपुर कांग्रेस कार्यालय में माकन ने लगातार तीन दिन तक विधायकों व पार्टी पदाधिकारियों से वन टू वन मिलकर उनकी व्यक्तिगत राय जानी। इस रायशुमारी में प्रदेश के कई मंत्रियों की कार्यशैली को लेकर भारी रोष देखा गया। कई विधायकों ने तो माकन से यहां तक कह दिया कि मुख्यमंत्री से मिलना तो दूर की बात है, यहां तो मंत्रियों तक से मिलना ही दूभर हो रहा है। ऐसे में आम आदमी की सुनवाई कैसे होगी। जयपुर में की गयी रायशुमारी के बाद अजय माकन ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर सोनिया गांधी को सौंपी। माकन द्वारा दी गई रिपोर्ट के बाद कांग्रेस आलाकमान ने तय किया कि राजस्थान में ऐसे मंत्रियों को हटा कर संगठन में भेज दिया जाएगा जिनके खिलाफ विधायकों में रोष देखने को मिला है। स्वच्छ छवि के नए लोगों को मंत्री बनाया जाएगा। जिससे लोगों में पार्टी के प्रति व्याप्त हो रही है एंटी इनकंबेंसी को खत्म कर आम जनता में एक अच्छा मैसेज दिया जा सके। इसी दौरान तय हुआ कि पायलट समर्थक 6 विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा तथा कुछ विधायकों व अन्य वरिष्ठ नेताओं को विभिन्न आयोग, मंडल, बोर्ड में नियुक्त किया जाएगा। उसके बाद कांग्रेस के जिला व ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति होगी। मगर इसी दौरान अशोक गहलोत को हार्ट संबंधित तकलीफ होने के कारण उनका ऑपरेशन करना पड़ा। जिससे कांग्रेस में होने वाला संभावित फेरबदल रुक गया। पंजाब के बाद अब राजस्थान को लेकर भी कांग्रेस आलाकमान सख्त रूप अपना रहा है। प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन भी कह चुके हैं कि स्वास्थ्य लाभ करने के बाद अशोक गहलोत जिस दिन दिल्ली जाएंगे उसके अगले ही दिन सरकार व संगठन में संभावित फेरबदल व नियुक्तियां होनी शुरू हो जाएगी। कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान को लेकर पूरा ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री गहलोत के अस्वस्थ होने के कारण फेरबदल की पूरी प्रक्रिया रुकी हुई है। कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट की भूमिका भी तय कर दी है। जिसकी घोषणा प्रदेश में परिवर्तन के बाद किए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। कांग्रेस आलाकमान को इस बात का अच्छी तरह पता है कि अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते अगले विधानसभा चुनाव में जीत पाना बहुत मुश्किल है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व चाहता है कि सचिन पायलट को ऐसी भूमिका दी जाए जिससे लोगों का रुझान फिर से कांग्रेस की तरफ हो सके। राहुल गांधी अच्छी तरह से जानते हैं कि राजस्थान में सबसे अधिक लोकप्रिय व भीड़ खींचने वाले नेता सचिन पायलट ही हैं। ऐसे में यदि पायलट को लंबे समय तक मुख्यधारा से दूर रखा गया तो उसका खामियाजा पार्टी को सत्ता गंवाकर उठाना पड़ सकता है। इसीलिए पार्टी आलाकमान अगले कुछ दिनों में सचिन पायलट व उनके समर्थक विधायकों व कार्यकर्ताओं को उचित मान-सम्मान देने की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मन

श्रीराम शर्मा आचार्य

भर्तृहरि सम्राट् थे। उन्होंने सब छोड़ दिया, छोड़-छाड़ जंगल चले गए। मन को यह बात जंची न होगी। मन को यह बात कभी नहीं जंचती। जंगल में बैठे हैं, वर्षो बीत गए हैं। धीरे-धीरे धीरे-धीरे तरंगें शांत होती जा रही हैं। एक दिन सुबह ही आंख खोली, सुबह का सूरज निकला है, सामने ही राह जाती है-जिस चट्टान पर बैठे हैं, उसी के सामने से राह जाती है। उस राह पर एक बड़ा हीरा पड़ा है! बांध-बूंध के वर्षों में मन को किसी तरह बिठाया था-और मन दौड़ गया! और मन जब दौड़ता है तो कोई सूचना भी नहीं देता कि सावधान कि अब जाता हूं। वह तो चला ही जाता है तब पता चलता है। वह तो इतनी त्वरा से जाता है, इतनी तीव्रता से जाता है कि दुनिया में किसी और चीज की इतनी गति नहीं है जितनी मन की गति है। तुम्हें पता चले, चले, चले, तब तक तो वह काफी दूर निकल गया होता है। शरीर तो वहीं बैठा रहा, लेकिन मन पहुंच गया हीरे के पास। मन ने तो हीरा उठा भी लिया। मन तो हीरे के साथ खेलने भी लगा। तुमने कहानियां तो पढ़ी हैं न शेखिचल्लियों की, वे सब कहानियां मन की कहानियां हैं। मन शेखिचल्ली है। और इसके पहले कि मन शरीर को भी उठा दे, दो घुड़सवार दोनों तरफ से आए, उन्होंने तलवारें खींच लीं। दोनों को हीरा दिखाई पड़ा, दोनों ने तलवारें हीरे के पास टेक दीं और कहा, हीरा पहले मुझे दिखाई पड़ा। भर्तृहरि का मन तो कहने लगा कि यह बात गलत है, हीरा पहले मुझे दिखाई पड़ा। मगर यह अभी मन में ही चल रहा है। और इसके पहले भर्तृहरि कुछ बोलें, वे तो तलवारें खिंच गई। राजपूत थे। तलवारें एक-दूसरे की छाती में घुस गई। दोनों लाशें गिर पड़ीं। हीरा अपनी जगह पड़ा है सो अपनी जगह पड़ा है। लोग आते हैं और चले जाते हैं, हीरे अपनी जगह पड़े हैं अपनी ही जगह पड़े रह जाते हैं। लाशों का गिर जाना, लहू के फव्वारे फूट जाना, चारों तरफ खून बिखर जाना, हीरे का अपनी जगह ही पड़े रहना--होश आया भर्तृहरि को कि मैं यह क्या कर रहा था! वर्षो की साधना मिट्टी हो गई? मैं तो खुद भी दावेदार हो गया था। मैं तो कहने ही वाला था कि चुप, हीरे को पहले मैंने देखा है! तुम दोनों पीछे आए हो। हीरा मेरा है! मगर इसके पहले कि कुछ कहते, उसके पहले ही यह घटना घट गई-दो लाशें गिर गई।

अदालतों की सुरक्षा राम भरोसे कब तक ?

- डॉ. रमेश ठाकुर

राजधानी की जिला अदालतों में लगातार घटती खून वारदातों ने सोचने पर मजबूर कर दिया है। एक ही किस्म की घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं। क्यों उन्हें नहीं रोका जा रहा। घटना भी ऐसी एकदम पुलिस के नाक के नीचे हो रही हैं। फिलहाल दिल्ली के रोहिणी कोर्ट की घटना ने सुरक्षा में हुई भयंकर चूक को एक्सपोज किया। स्थानीय पुलिस व स्पेशल सेल के दर्जनों कर्मियों की मौजूदगी में दो गैंगस्टरों के बीच तड़ातड़ गोलियां चलती रहीं। पुलिसकर्मी अपने बचाव का मोर्चा नहीं संभालते तो जानमाल का भारी नुकसान हो सकता था। बहरहाल, दिखावे और कहने के लिए तो दिल्ली के जिला अदालतों की सुरक्षा चाकचौबंद रहती है। पर, इसके पूर्व 24 दिसंबर 2015 में कड़कड़डूका कोर्ट में जज के सामने गैंगस्टर छेनू पहलवान और नासिर गिरोह के तीन नाबालिग बदमाशों द्वारा फायरिंग करना। वहीं, 15 नवंबर 2017 में रोहिणी कोर्ट परिसर में एक विचाराधीन कैदी विनोद के सिर में गोली मारकर बदमाशों द्वारा हत्या कर देना बताता है कि राजधानी में जिला अदालतों की सुरक्षा कैसी है। बहरहाल, उन घटनाओं की पुनरावृत्ति पिछले सप्ताह एक बार फिर हो गई जिसमें तीन बदमाश ढेर हुए। लगातार होती गैंगवार की घटनाओं को देखते हुए बीते शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई, याचिका में संबंधित अधिकारियों व अथॉरिटी को दिल्ली की अदालतों में सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश देने की अपील की गयी। सुरक्षा सुनिश्चित होनी भी चाहिए, क्योंकि दिल्ली में गैंगस्टरों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। मारा गया जितेंद्र गोगी नाम का अपराधी दिल्ली का टॉप-10 गैंगस्टर था। इसी के गुट से वर्षों पहले अलग हुआ टिल्लू गुट के सदस्यों ने उसे मारा। पहले दोनों गुटों का मुख्य धंधा सुपारी लेकर मर्डर करने का था। हालांकि अभी भी दोनों गुटों के सदस्य सक्रिय हैं। गोगी भी जेल में था और टिल्लू अभी भी है। दोनों जेल में रहकर अपना गिरोह चला रहे थे। गोगी के मरने के बाद गिरोह की कमान उसके दूसरे साथी ने संभाली है। सूत्र यही बताते हैं कि दोनों को पुलिस ने ही पाला पोसा था। उनके हर मूवमेंट की खबर कुछ पुलिसकर्मियों को होती थी। जेलों में उनकी अच्छी खातिरदारी की जाती रही है। अभी हाल ही गैंगस्टरों के साथ कुछ पुलिसकर्मियों की जेल में पार्टी करने की तस्वीरें भी वायरल हुई थी जिसमें कई नपे हैं। सवाल उठता है जब अपराधियों की पनाहगार खुद पुलिस होगी तो उन्हें कोर्ट में क्या कहीं भी फायरिंग करने से डर लगेगा। घटना के बाद वकीलों ने पुलिस को कटघरे में खड़ा किया है। उनका तर्क है बिना पुलिस के सहयोग से कोई अपराधी कोर्ट रूप में जाकर इस तरह की हिमाकत नहीं कर सकता। आपस में भिड़ाना और गोलीबारी करवाने के पीछे पुलिस का ही हाथ होता है। इस संबंध में वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर से भी मिला और उनको अपराधियों-गैंगस्टरों की मिलीभीगत से अवगत कराया। रोहिणी कोर्ट शूटआउट की जांच क्राइम ब्रांच को दी गई। वह निष्पक्ष जांच करेगी, इसकी उम्मीद वकीलों को नहीं है। उनकी मांग है ऐसे मामलों की जांच किसी रिटायर्ड जज की निगरानी में कराई जाए। बहरहाल, घटना से उठे शोर को थामने के लिए रोहिणी कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ाई है। रोहिणी कोर्ट के अंदर-बाहर बड़ी संख्या दिल्ली पुलिस के जवानों और पैरामिलिट्री फोर्स को तैनात किया है। सभी आगंतुक की कड़ाई से जांच हुआ करेगी। पर, सवाल वही है, ये कब तक होगा ? हमने इससे पहले कड़कड़डूमा कोर्ट की घटना के बाद भी देखा था, मेटल डिटेक्टर से लेकर पुलिस कर्मियों की भारी संख्या में तैनाती, सिविल डिफेंस को गेट के बाहर सुरक्षा के लिए लगाया था। आने-जाने वालों के लिए पास अनिवार्य किए गए थे। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी कम हो गए, आज स्थिति ऐसी है कोई भी कोर्ट रूम तक आसानी से दाखिल हो सकता है। सुरक्षा का ये तामझाम तभी तक रहता है जब तक मीडिया और आमजन में चर्चाएं रहती हैं। चर्चा खत्म होते ही, कामचलाऊ व्यवस्था फिर से लागू हो जाती है जिसका अपराधी फायदा उठाते हैं। सोचने वाली बात है अपराधी घटना को घटित करने के बाद अगले दिन तो आएगा नहीं, दूसरी घटना के लिए वह लंबा गैप लेगा। इसलिए सुरक्षा-व्यवस्था हमेशा के लिए यथावत होनी चाहिए। रोहिणी कोर्ट में अपराधियों ने बाकायदा दो दिनों तक सुरक्षा इंतजाम का जायजा लिया, तसल्ली होने के बाद घटना को अंजाम दिया। गैंगस्टर गोगी पर फायरिंग करने वाले दोनों शूटरों ने वकीलों की ड्रेस में बिना जांच पड़ताल किए कोर्ट में पहुंचे और बेखौफ होकर जज के सामने दर्जनों पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पंद्रह मिनट तक गोलीबारी करने के बाद पुलिस की गोली का शिकार हुए। उनका ये बेखौफ अंदाज साफ बताता है कि उनके पीछे किनकी शह थी ?

हर पहलुओं की जांच करने की जरूरत है। दोषी चाहें फिर पुलिसकर्मी हों या और कोई, किसी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। दिल्ली की जिला अदालतों की सुरक्षा का जिम्मा केंद्र सरकार के पास है। दोबारा से सुरक्षा रिफॉर्म करने की दरकार है। अदालतों की सुरक्षा स्पेशल फोर्स को दी जानी चाहिए, लोकल पुलिस को तत्काल प्रभाव से हटा देना चाहिए। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेंसेक्स 287 अंक लुढ़का, निफ्टी 17,650 के नीचे आया

मुंबई:

शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 287 अंक लुढ़क कर बंद हुआ। मासिक वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के निपटान के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक में गिरावट के साथ बाजार नीचे आया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 286.91 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,126.36 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 93.15 अंक यानी 0.53 प्रतिशत टूटकर 17,618.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ पावर ग्रिड सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, बजाज ऑटो, एसबीआई और महिंद्रा एंड महिंद्रा में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, सन फार्मा और एचयूएल शामिल हैं। कारोबारियों के अनुसार मासिक वायदा एवं विकल्प अनुबंधों के समाप्त होने के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और सियोल लाभ में रहें जबकि हांगकांग और तोक्यो में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.28 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा वाहन क्षेत्र- पांडेय

पुणे: केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने बुधवार को कहा कि भारत एक विनिर्माण केंद्र बनेगा और देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मोटर वाहन क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाएगा। पांडे के हवाले से एक बयान में कहा गया है कि सरकार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विकास पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए घटकों और प्रणालियों को स्थापित करने के लिए किया गया परियोजना कार्य भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। वह अंतरराष्ट्रीय मोटर वाहन प्रौद्योगिकी (एसआईएटी) 2021 पर परिचर्चा के 17वें संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। एसएई इंडिया और एसएई इंटरनेशनल (यूएसए) के सहयोग से एआरएआई ने पहली बार ऑनलाइन माध्यम में 'रिडिफाइनिंग मोबिलिटी फॉर द फ्यूचर' विषय के साथ 'एसआईएटी 2021' का आयोजन किया।

सरकार ने की डिजिटल कृषि मिशन की शुरूआत:तोमर

नई दिल्ली: कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि किसानों के लाभ के लिए सरकार ने डिजिटल कृषि मिशन की शुरूआत की है और इस क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल पर फोकस किया जा रहा है। तोमर ने क्रॉपलाइफ इंडिया (सीएलआई) की 41वीं वार्षिक आम सभा में कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने डिजिटल कृषि को आगे ले जाने के लिए निजी क्षेत्र के साथ एमओयू साइन किए है, जिनका उद्देश्य किसानों की आमदनी बढ़ाते हुए उन्हें हर तरह से लाभ पहुंचाना है। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि सीएलआई संयुक्त रूप से 70 प्रतिशत क्रॉप प्रोटेक्शन मार्केट का प्रतिनिधित्व करता है, देश में 95 प्रतिशत मॉलीक्यूल्स को लाने में इसकी भूमिका रही है। सीएलआई की सदस्य कंपनियां अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रही हैं और वैश्विक स्तर पर रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर सालाना छह अरब डॉलर खर्च करती हैं, जिससे किसानों के लिए नए एवं सुरक्षित इनोवेशन संभव होते हैं। भारत एग्रो केमिकल्स का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। इस क्षेत्र की संभावनाओं को देखते हुए सरकार ने एग्रोकेमिकल सेक्टर को 12 चैंपियन सेक्टर्स में शामिल किया, जहां भारत वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इनोवेशन, पंजीकरण प्रणाली मेंतेजी, प्रारंभिक फसल संरक्षण अनुसंधान एवं डिजिटलीकरण अभियान की मदद से केमिकल सेक्टर में अग्रणी होने की काफी क्षमता है। कृषि मंत्री ने कहा कि कोविड-19 अभूतपूर्व वैश्विक संकट काल रहा लेकिन इस दौर में भी कृषि क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा उठाए विभिन्न कदमों ने अर्थव्यवस्था को गति दी। कोविड ने चुनौतियां पेश करने के साथ-साथ संबंधित पक्षों को प्रयोग एवं परीक्षण करने, सीखने और इनोवेटिव आइडिया को लागू करने का अवसर भी प्रदान किया है। किसानों की मेहनत, वैज्ञानिकों की कुशलता व सरकार के समन्वित प्रयासों से लॉकडाउन के दौरान कृषि इनपुट को छूट देने के कदमों ने कृषि उत्पादकता को स्थिर रखने में मदद की एवं अन्य क्षेत्रों में भारी गिरावट के बावजूद आर्थिक परिदृश्य को सकारात्मक बनाए रखा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड संकट के कारण कई देश अपने प्रोडक्शन बेस और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने तथा जोखिम कम करने के लिए प्रयासरत हैं, भारत के पास इस बदलाव का लाभ लेने का अवसर है। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर मौजूदा अवसर को भुनाने की दिशा में कारोबारी सुगमता एवं प्रगतिशील एवं स्टेबल रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क से निवेशकों का विश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तीन साल में दिल्ली होगी वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण से मुक्त - गडकरी

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी को अगले तीन साल में वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण से मुक्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण देश के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात है। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए, सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि उनके मंत्रालय ने सड़क बुनियादी ढांचा विकास पर 60,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस प्रयास से दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद की। उन्होंने कहा, ''वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण देश के लिए चिंतित करने वाले मुद्दे हैं। हम दिल्ली को अगले तीन वर्षों में वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण से मुक्त कर देंगे।'' गडकरी ने कहा कि सड़क मंत्रालय सभी कंटेनर डिपो और 1,700 गोदामों को दिल्ली से बाहर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''अगले 15 दिनों में हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के साथ उस प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।'' गडकरी ने यह भी कहा कि सड़क मंत्रालय एक लाख करोड़ रुपये का लॉजिस्टिक पार्क भी बना रहा है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के लिए केवल इलेक्ट्रिक बसें चलाने को लेकर केजरीवाल को अपना सुझाव दिया है।

गौतम अडानी बने एशिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स, जानिए टॉप 10 में कौन-कौन हैं शामिल

बिजनेस डेस्क:

अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी एशिया के दूसरे सबसे अमीर बिजनेसमैन बन गए हैं। गौतम अडानी और उनके परिवार ने पिछले 1 साल में रोजाना 1,002 करोड़ रुपए कमाए हैं। इस वजह से 1 साल पहले उनकी संपत्ति 1,40,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,05,900 करोड़ रुपए हो गई है। 59 साल के अडानी चीन के पानी बेचने वाले उद्यमी झोंग शैनसैन को पीछे छोड़कर एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। आईआईएफएल वेल्थ हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2021 के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

गौतम अडानी के भाई भी लिस्ट में

ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत के कारोबारी गौतम अडानी और दुबई में मौजूद उनके भाई विनोद शांतिलाल अडानी आईआईएफएल वेल्थ हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2021 के टॉप 10 रईस में शामिल हुए हैं। पिछले 1 साल में गौतम अडानी की संपत्ति 4 गुना बढ़ी है। अडानी इस लिस्ट में दो पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी 12 पायदान ऊपर चढ़कर आठवें सबसे अमीर भारतीय बन गए हैं। विनोद अडानी की फैमिली की संपत्ति 21 फीसदी बढ़ी है और अब यह 1,31,600 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है।

मुकेश अंबानी की संपत्ति

गौतम अडानी की तुलना में भारत के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने पिछले 1 साल में रोजाना 169 करोड रुपए कमाए हैं। मुकेश अंबानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज की संपत्ति 1 साल में 9 फीसदी बढ़कर 7,18,200 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। आईआईएफएल वेल्थ हरुन इंडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। ॥ष्ट्र के शिव नादर और उनकी फैमिली की संपत्ति पिछले 1 साल में 67 फीसदी बढ़ी है और यह 3,66,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है।

किसकी कितनी बढ़ी संपत्ति

लंदन के कारोबारी लक्ष्मी नारायण मित्तल और उनकी परिवार की संपत्ति में पिछले 1 साल में 187 फीसदी का इजाफा हुआ है। आर्सेलर मित्तल के मालिक लक्ष्मी नारायण मित्तल की संपत्ति अब 1,74,400 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले 1 साल में उन्होंने रोजाना 312 करोड रुपए कमाए हैं। एचसीएल के शिव नादर ने पिछले 1 साल में रोजाना 260 करोड रुपए कमाए हैं। पुणे के साइरस पूनावाला और उनके परिवार ने पिछले 1 साल में रोजाना 190 करोड़ रुपए कमाए हैं और उनकी संपत्ति 74 फीसदी बढ़कर 1,63,700 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है।

एक हजार से ज्यादा भारतीयों के पास 1 हजार करोड़ से अधिक रुपये की कुल संपत्ति: हुरुन इंडिया

नई दिल्ली।

हुरुन इंडिया के मुताबिक भारत ने 1,000 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति वाले 1,000 से अधिक व्यक्तियों के होने का गौरव हासिल किया है। आईआईएफएल वेल्थ हुरुन इंडिया की रिच लिस्ट 2021 से खुलासा हुआ है कि 119 शहरों में 1,007 व्यक्तियों की कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संचयी संपत्ति में 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि औसत संपत्ति में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि 894 व्यक्तियों ने अपनी संपत्ति में वृद्धि देखी या वही बने रहे, जिनमें से 229 नए चेहरे हैं, जबकि 113 ने अपनी संपत्ति में गिरावट देखी और 51 ड्रॉपआउट थे। वर्तमान में, भारत में 237 अरबपति हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 58 अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रसायन और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों ने सूची में सबसे बड़ी संख्या में नए प्रवेशकों को जोड़ा है। फार्मा अभी भी नंबर एक पर है और उसने सूची में 130 प्रवेशकों का योगदान दिया है। सूची में सबसे छोटा 23 वर्ष की आयु का है, जो पिछले साल सबसे कम आयु के प्रवेशक से तीन साल छोटा है। इसके अलावा, रिपोर्ट में बताया गया है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी 7,18,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ लगातार 10वें वर्ष भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बने रहे। आईएनआर 5,05,900 करोड़ रूपये के साथ, गौतम अडानी और परिवार आईआईएफएल वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2021 में दो स्थान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। अडानी समूह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 9 लाख करोड़ रुपये है। अडानी पावर को छोड़कर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है। हुरुन इंडिया के एमडी और चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद ने कहा, गौतम अडानी एक नहीं, बल्कि पांच 1 लाख करोड़ रुपए की कंपनियां बनाने वाले अकेले भारतीय हैं। इसके अलावा, एचसीएल के शिव नादर ने तीसरी रैंक बरकरार रखी, क्योंकि यात्रा, खुदरा और आतिथ्य जैसे कोविड प्रभावित क्षेत्रों में एचसीएल के सीमित जोखिम के परिणामस्वरूप उनकी संपत्ति में 67 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,36,600 करोड़ रुपये हो गए। दिसंबर 2020 में समाप्त हुए 12 महीनों के लिए, एचसीएल 10 बिलियन डॉलर के राजस्व के निशान को तोड़ने वाली केवल तीसरी भारतीय आईटी कंपनी बन गई है।

सोने ओर चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने ओर चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में 154 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट रही। 99.9 ग्राम शुद्धता वाले सोने का भाव आज 44,976 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई और ये 1,733 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गईं। चांदी की कीमतों में भी आज खासी गिरावट रही और चांदी के दाम 1,337 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 58 हजार रुपये के नीचे जाकर 57,355 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुए। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज चांदी के दाम में खास बदलाव नहीं हुआ और ये 21.64 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र के दौरान में सोना 45,130 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और चांदी भी 58,692 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई।

भारत का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में 11.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का अगस्त महीने में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मूलभूत औद्योगिक उत्पादन 11.6 प्रतिशत बढ़ा है। औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी, कोविड-19 महामारी से उबरने का एक संकेत है, क्योंकि हाल ही में जारी जुलाई महीने के औद्योगिक उत्पादन में भी इजाफा देखा गया था। देश के औद्योगिक उत्पादन में जुलाई महीने में 11.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले पिछले साल जुलाई में औद्योगिक उत्पादन में 10.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी, जिसका सबसे बड़ा कारण कोविड-19 महामारी थी। उस दौरान अधिकांश आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ गई थी, जिससे औद्योगिक उत्पादन के साथ ही देश की समस्त अर्थव्यवस्था पर काफी नकारात्मक प्रभाव देखने को मिला था। हालांकि अब धीरे-धीरे हालात सुधर रहे हैं और औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ ही अर्थव्यवस्था भी पटरी पर लौटने लगी है।

एयर इंडिया के लिए मिनिमम रिजर्व प्राइस तय, खरीदार का नाम भी फाइनल होने की संभावना

बिजनेस डेस्क:

मोदी सरकार ने बुधवार को एयर इंडिया के विनिवेश में दिलचस्पी रखने वाले दो बोली लगाने वाली कंपनियों से मुलाकात की है। इस मुलाकात में अन्य चीजों के अलावा नेशनल कैरियर की बिक्री के लिए तय किए गए मिनिमम रिजर्व प्राइस पर भी चर्चा की गई। इस मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। इस मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि मोदी सरकार ने एयर इंडिया को खरीदने के लिए बोली लगाने वाली दो कंपनियों में से विजेता का चुनाव कर लिया है और इस बारे में जल्द ही सरकार घोषणा कर सकती है। यह अब तक स्पष्ट नहीं है कि सरकार एयर इंडिया के विनिवेश के लिए बोली जीतने वाले वाली कंपनी के बारे में घोषणा कब तक कर सकती है।

एयर इंडिया को खरीदने की होड़

टाटा संस और स्पाइसजेट ने एयर इंडिया को खरीदने के लिए बोली लगाई थी। टाटा संस और स्पाइसजेट के प्रतिनिधियों ने बुधवार को सरकार से मुलाकात की है। टाटा संस और स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह ने इस बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। विनिवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने भी इस बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया।

रिजर्व प्राइस पर चर्चा

एयर इंडिया के विनिवेश के लिए सचिवों की एक समिति ने रिजर्व प्राइस पर फैसला किया है लेकिन इस बारे में पर्याप्त जानकारी अभी उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा, ÷एयर इंडिया के विनिवेश के लिए रिजर्व प्राइस के मसले पर मंगलवार को चर्चा की गई थी।'' इस बारे में एक सूत्र ने कहा,'एयर इंडिया को खरीदने की दौड़ में टाटा संस सबसे आगे समझी जा रही है। माना जाता है कि एयर इंडिया के लिए टाटा ग्रुप ने अधिक पैसे की बोली लगाई है। ऐसा समझा जाता है कि ग्रुप ने राष्ट्रीय संपत्ति को ध्यान में रखकर एयर इंडिया को खरीदने के लिए अधिक रकम की बोली लगाई है।

गोयल ने चीनी सेब के लिए आयात शुल्क कम किए जाने की अफवाहों का खंडन किया

नई दिल्ली:

भारत में सस्ता चीनी सेब आने की अफवाहों को खारिज करते हुए, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि सरकार ने कोई शुल्क कम नहीं किया है और सभी आयात विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की शर्तों के अनुरूप होते हैं। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में पड़ोसी देश से सस्ते सेब आने पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''कुछ लोग झूठ फैला रहे हैं कि सरकार ने चीन से आने वाले सेबों पर शुल्क कम कर दिया है यह आधारहीन अफवाह है। सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है।'' उन्होंने कहा कि सभी आयात विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा निर्धारित मानदंडों के तहत होते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझसे पहले भी यह सवाल पूछा गया था... ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। मुझे लगता है कि कुछ लोगों का काम केवल आधारहीन अफवाहें फैलाना होता है, जिनका कोई मतलब नहीं होता।'' एक अन्य सवाल पर कि क्या चीन में बिजली संकट भारतीय निर्यातकों के लिए एक अवसर है, मंत्री ने कहा कि घरेलू कंपनियों के लिए बहुत सारे अवसर हैं। उन्होंने कहा, ''आज देश उन अवसरों का लाभ उठाने को तैयार है। हम उद्यमियों, उद्योग और कारोबारियों का देश हैं।

हम एमएसएमई का देश हैं जो दुनिया के बाकी हिस्सों से आत्मविश्वास से निपटने के लिए सशक्त हैं।'' मंत्री ने यह भी बताया कि चालू वित्त वर्ष में भारत का निर्यात 21 सितंबर तक 185 अरब डॉलर का रहा, और वर्ष 2021-22 की पहली छमाही के अंत तक यह निर्यात 195 अरब डॉलर को छू सकता है। वर्ष 2020-21 के दौरान भारत का निर्यात 290 अरब डॉलर का रहा था।

प्रतिभूति बाजार में निवेशकों को जोड़ने में ई-केवाईसी बना गेम चेंजर: गर्ग

नई दिल्ली:

प्रतिभूति बाजार नियामक सेबी के कार्यकारी निदेशक जी.पी.गर्ग ने आज कहा कि प्रतिभूति बाजार में अधिक निवेशकों को जोड़ने में ई-केवाईसी गेम चेंजर साबित हो रहा है। गर्ग ने गुरुवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में अपने संबोधन में कहा कि ई-केवाईसी ने अधिक निवेशकों को प्रतिभूति बाजार में जोड़ने में एक जबरदस्त भूमिका निभाई है क्योंकि इस व्यवस्था के तहत कोई भी 15 मिनट से भी कम समय में डीमैट, ट्रेडिंग खाता खोल सकता है और इसका हिस्सा बन सकता है। ई-केवाईसी ने नन्न केवल व्यापार करने में आसानी प्रदान की है बल्कि वास्तव में इसने निवेश करने को भी आसान बनाया है। उन्होंने विभिन्न तकनीकों को अपनाने के लाभ का उल्लेख करते हुए कहा कि सेबी शायद प्रौद्योगिकी के अच्छे उपयोग के साथ 'रेगटेक% का पालन करने वाला पहला नियामक है, जिससे उसे निर्णय लेने में काफी मदद मिली है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे डेटा एनालिटिक्स ने इनसाइडर ट्रेडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग और अलर्ट जनरेशन से संबंधित मामलों को रोकने में मदद की है। उन्होंने कहा, ''एक नियामक के रूप में कुशल होने के लिए एक मजबूत निगरानी प्रणाली का होना महत्वपूर्ण होता है। प्रौद्योगिकी के विकास ने लागत घटाने के साथ ही डेटा क्षमता और अधिक कंप्यूटिंग शक्ति को बढ़ावा दिया है।

गर्ग ने इनोवेशन सैंडबॉक्स का हिस्सा बनने के लिए देश के नवोन्मेषकों का स्वागत किया और कहा कि इसके अभिन्न अंग के रूप में कोई भी एक्सचेंज के पास उपलब्ध डेटा तक पहुंचने के लिए सेबी में आवेदन कर सकता है। समिति के आवेदन को स्वीकृत करने लेने के बाद डेटा उपलब्ध करा दिया जाता है, जो इसके नैतिक रूप से इस्तेमाल को सुनिश्चित करता है।

एडटेक प्लेटफॉर्म अनअकैडमी ने अपने जॉब पोर्टल रिलेवल में 20 मिलियन डॉलर का किया निवेश

बेंगलुरु।

जॉब हायरिंग प्लेटफॉर्म रिलेवल ने गुरुवार को घोषणा की है कि उसने अपनी मूल एडटेक कंपनी अनअकैडमी से 20 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि रिलेवल को चार महीने पहले शशांक मुरली, सक्षम केशरी और प्रकाश कुमार ने लॉन्च किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उपयोगकर्ता वृद्धि, भर्ती कंपनी की भागीदारी और प्लेसमेंट दर में मजबूत कर्षण के पीछे इन्हीं का हाथ है।इस प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में 2.35 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं और दावा है कि परीक्षण में अर्हता प्राप्त करने वाले उपयोगकर्ताओं की 100 प्रतिशत प्लेसमेंट दर है। रिलेवल ने कहा कि उसके पैनल में, सभी क्षेत्रों में 64 सक्रिय कंपनियां हैं, जिन्होंने परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया है। रिलेवल के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने वाले अधिकांश उपयोगकर्ता भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों से आते हैं। बेंगलुरु स्थित एडटेक प्लेटफॉर्म अनअकैडमी की स्थापना मुंजाल, सैनी, हेमेश सिंह और सचिन गुप्ता ने 2016 में की थी। पिछले महीने उनअकैडमी ने 3.44 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर 440 मिलियन डॉलर का सीरीज एच राउंड बंद किया। अनअकैडमी में वर्तमान में 50,000 से अधिक पंजीकृत शिक्षक और 62 मिलियन से अधिक शिक्षार्थी हैं। स्टार्टअप 5,000 शहरों में 14 भाषाओं में शिक्षा प्रदान करता है। रिलेवल वर्तमान में तीन परीक्षण आयोजित करता है- फ्रंटएंड डेवलपमेंट, बैकएंड डेवलपमेंट और बिजनेस डेवलपमेंट। ये सभी एक दिन की अवधि के भीतर आयोजित किए जाते हैं।

पिंक बॉल टेस्ट के पहले ही दिन मंधाना ने टेस्ट में बनाया अपना बेस्ट स्कोर, 80 पर हैं नाबाद

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 80 रन की पारी की मदद से भारत ने

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र दिन-रात्रि महिला क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन गुरुवार को यहां चाय तक एक विकेट पर 132 रन बनाए।इसके बाद मैच आगे नहीं बढ़ सका और स्टंप्स घोषित कर दिए गए।

आफ साइड पर कुछ शानदार शॉट लगाने वाली मंधाना ने 144 गेंद में 15 चौकों की मदद से 80 रन बना लिए हैं। उन्होंने पहले विकेट के लिए शेफाली वर्मा के साथ 93 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 64 गेंद में 31 रन बनाये।

दूसरे सत्र का अधिकांश खेल बारिश की भेंट चढ़ गया लेकिन इस सत्र में मंधाना 16 रन और जोड़कर 78 रन के अपने पिछले निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ने में सफल रहीं। मंधाना ने ताहलिया मैकग्रा पर डीप स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का जड़ा और फिर इसी गेंदबाज पर मिड विकेट के ऊपर से चौका भी मारा।

चाय के समय पूनम राउत (57 गेंद में 16 रन) मंधाना का साथ निभा रही थी। दोनों दूसरे विकेट के लिए 39 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।इससे पहले आस्ट्रेलिया ने हरी भरी पिच पर टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया लेकिन मंधाना ने उसे गलत साबित कर दिखाया।

असल में शेफाली और मंधाना ने अपने पारंपरिक खेल के विपरीत बल्लेबाजी करके आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को चकमा दे दिया। आम तौर पर आक्रामक खेलने वाली शेफाली ने मंधाना के सहायक की भूमिका निभाई।

टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर रही डार्सी ब्राउन की गेंदों पर मंधाना ने कई चौके लगाये। मैकग्रा को कवर ड्राइव लगाकर मंधाना ने अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं शेफाली ने अपनी पारी में चार चौके जड़े। उन्हें दो बार जीवनदान भी मिले। पहले स्लिप में मैग लेनिंग ने उनका कैच छोड़ा जबकि बाद में अन्नाबेल सदरलैंड ने मिडआन पर कैच टपकाया। आखिर में मैकग्रा ने बायें हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू की गेंद पर मिडआफ में कैच पकड़कर उन्हें पवेलियन भेजा।

चैंपियंस लीगः रोनाल्डो के अंतिम मिनट के गोल ने यूनाइटेड को जिताया

मैनचेस्टर (एजेंसी)।

दिग्गज फुटबॉलर और मैनचेस्टर यूनाइटेड के फॉरवर्ड खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार प्रदर्शन से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ओल्ड ट्रैफोर्ड में खेले गए मैच में विलारियल को 2-1 से हरा दिया। यह रोनाल्डो का चैंपियंस लीग का 178 वां मैच था। इसके साथ ही, 36 वर्षीय रोनाल्डो अब यूईएफए चैंपियंस लीग में सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

उन्होंने इस मामले में रियल मेड्रिड के पूर्व खिलाड़ी इकेर कैसिलास (177) को पीछे छोड़ दिया। चैंपियंस लीग में सर्वाधिक मुकाबले खेलने के मामले में जावी हर्नांडेज (151) तीसरे और लिओनेल मेसी (149) चौथे स्थान पर हैं।

विलारियल के खिलाड़ी पाको अल्केसर ने यूनाइटेड के खिलाभ 53वें मिनट में गोल कर बढ़त बना ली। इसके सात मिनट बाद यूनाइटेड के एलेक्स टेल्स ने शानदार हिट के साथ 60 वें मिनट में गोल कर टीम के वापसी कर दी। एलेक्स ने अपने यूनाइटेड करियर का पहला गोल किया।

एक समय में दोनो टीमें बराबरी पर चल रही थी और ऐसा लग रहा था कि यह मैच 1-1 के बराबरी पर खत्म हो जाएगा पर रोनाल्डो के शानदार गोल ने मैच को पलट दिया और यूनाइटेड को 2-1 से मैच को जीत लिया।

मेंटर के रूप में धोनी भारतीय क्रिकेट के लिए वरदान साबित होंगे : एमएसके प्रसाद

नई दिल्ली। बीसीसीआई के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने सुझाव दिया है कि रवि शास्त्री के मुख्य कोच की अवधि खत्म होने के बाद भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ मुख्य कोच की भूमिका के प्रबल दावेदार हैं। शास्त्री भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका 2017 से निभा रहे हैं और हो सकता है कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप कप के बाद कोच के भूमिका में नहीं दिखे क्योंकि उनकी कोच की अवधि खत्म हो रही है। प्रसाद ने स्पोर्टस तक पर कहा कि मेरे दिल में यह भावना थी। मुझे हाल ही में मेरे सहयोगियों ने चुनौती दी थी कि निश्चित रूप से रवि भाई के युग के बाद, एमएस को एक मेंटर की भूमिका में और राहुल द्रविड़ को एक कोच के रूप में देखेंगे। उन्होंने कहा, जब मैं आईपीएल के दौरान कमेंट्री कर रहा था, तब मैंने अपने साथी कमेंटेटरों के साथ ये चर्चा की थी। मुझे लग रहा है कि जिस तरह राहुल को खेल के बारे में काभी अनुभव है रवि भाई के बाद वह भारतीय टीम के लिए काफी मुल्यवान होने वाले हैं। उन्होंने कहा, एक कोच के रूप में राहुल, मेंटर के रूप में एमएस भारतीय क्रिकेट के लिए भारतीय टीम के लिए एक वरदान साबित होंगे। दोनों ही शांत, और मेहनती हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जो भी खिलाड़ी फिलहाल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं ज्यादा तर राहुल द्वारा तैयार किए गए हैं। कुछ बहुत ही शानदार और अद्भुत होने जा रहा है। अगर राहुल कोच और धोनी मेंटर नहीं बनेंगे तो मुझे बहुत निराशा होगी।

भारत ने सुदीरमन कप के आखिरी ग्रुप मैच में फिनलैंड को हराया

नई दिल्ली। क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने सुदीरमन कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने आखिरी ग्रुप मैच में बुधवार को यहां फिनलैंड को 4-1 से हराया।

एम आर अर्जुन और अश्विनी पोनप्पा की मिश्रित युगल जोड़ी ने एंटन कास्ती और जेनी निस्ट्रॉम की जोड़ी को 21-9 21-14 से हराया। इससे पहले किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ ने पुरुष और महिला एकल में अपने-अपने मैच जीते थे।

श्रीकांत ने काले कोलजोनन को 16-21, 21-14, 21-11 से, जबकि मालविका ने नेल्ला न्यक्विस्ट को 21-16, 21-11 से हराया। अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी हालांकि कास्ती और जेस्पर पॉल से 20-22 19-22 से हार गयी। तनीषा क्रैस्टो और रुतपर्णा पांडा ने महिला युगल में मथिल्डा लिंडहोम और जेनी निस्ट्रॉम को 21-12 21-13 से पराजित किया।

टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल मैच में पेनल्टी स्ट्रोक मारने वाले रूपिंदर पाल सिंह ने कहा हॉकी को अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे स्टार ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह ने युवाओं के लिये रास्ता बनाने की कवायद में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से तुरंत प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा की है।

देश के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकर में शामिल किए जाने वाले 30 साल के रूपिंदर ने 223 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 'बॉब' के नाम से मशहूर रूपिंदर ने तोक्यो ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक जीतने के अभियान के दौरान चार गोल दागे थे जिसमें तीसरे स्थान के प्ले आफ में जर्मनी के खिलाफ पेनल्टी स्ट्रोक पर किया गोल भी शामिल था।

रूपिंदर का यह फैसला हैरानी भरा है क्योंकि उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए स्पष्ट तौर पर वह कुछ ओर साल आसानी से खेल सकते थे। रूपिंदर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर बयान मे लिखा ,''इसमें कोई संदेश नहीं कि पिछले कुछ महीने मेरे जीवन के सर्वश्रेष्ठ दिन रहे। मैंने अपने जीवन के कुछ शानदार अनुभव जिनके साथ साझा किए टीम के अपने उन साथियों के साथ तोक्यो में पोडियम पर खड़े होना ऐसा अहसास था जिसे मैं हमेशा सहेजकर रखूंगा।''

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि अब समय आ गया है जब युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उस आनंद की अनुभूति का अवसर दिया जाए जो भारत के लिए खेलते हुए मैं पिछले 13 साल से अनुभव कर रहा हूं।''पंजाब के फरीदकोट से तोक्यो में पोडियम तक के सफर के दौरान रूपिंदर ने कड़ी मेहनत और कई बार वापसी की।

मई 2010 में इपोह में सुल्तान अजलन शाह कप में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से रूपिंदर भारत की रक्षापंक्ति के अहम सदस्य रहे और वीआर रघुनाथ के साथ मिलकर उन्होंने खतरनाक ड्रैग फ्लिक संयोजन बनाया।निडर रक्षण के अलावा रूपिंदर पर उनके कप्तान पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करने के लिए भी काफी भरोसा करते थे।

रूपिंदर की मजबूत कद-काठी और लंबाई पेनल्टी कॉर्नर के समय किसी भी टीम के डिफेंस को परेशान करने के लिए पर्याप्त थी। उन्हें अपने चतुराई भरे वैरिएशन के लिए भी जाना जाता था। रूपिंदर को 2014 विश्व कप में भारतीय टीम का उप कप्तान बनाया गया और वह इसी साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। रूपिंदर उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे जिसने 2014 इंचियोन एशियाई खेलों में स्वर्ण और 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता।एशियाई खेलों में निराशा के बाद रूपिंदर को बलि का बकरा भी बनाया गया और इसके बाद टीम के हुए बदलाव के दौरान उनकी अनदेखी की गई।

वह चोटों से भी परेशान रहे। पैर की मांसपेशियों में समस्या के कारण 2017 में उनका करियर लगभग खत्म ही हो गया था। इस समय को उन्होंने अपने करियर का सबसे मश्किल समय करार दिया था। चोट के कारण उनके छह महीने तक बाहर रहने का सबसे अधिक फायदा हरमनप्रीत को मिला लेकिन उनकी सफल वापसी के बाद ये दोनों शॉर्ट कॉर्नर पर भारत के ट्रंप कार्ड बने और इनकी जोड़ी तोक्यो तक बनी रही। रूपिंदर ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता इस साल तोक्यो खेलों में हासिल की।

'मैं फुटबॉल टीम का गोलकीपर हूं, पंजाब का पूर्व सीएम नहीं', अमरिंदर सिंह ने कहा मुझे टैग मत करो

नई दिल्ली। जबसे पंजाब में सियासी घमासान शुरु हुआ है तब से मीडिया पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर कड़ी निगाह रखे हुए है। कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हाल ही में पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था और इसके बाद चरण जीत सिंह चन्नी ने मुख्यमंत्री की शपथ ली थी।

अमरिंदर सिंह की मुलाकात कल ही ग्रहमंत्री से हुई थी जो 45 मिनट तक चली। कैप्टन अमरिंदर सिंह के अगले कदम को लेकर मीडिया काफी उत्सुक है लेकिन इस उत्सुकता में कुछ मीडिया हाउस ने अपने ट्विटर अकाउंट पर गलत अमरिंदर सिंह को ट्वीट कर दिया। जिसके जवाब में इस अमरिंदर सिंह ने खुद परेशान होकर ट्वीट लिखा कि प्यारी मीडिया और पत्रकारों, मेरा नाम अमरिंदर सिंह है लेकिन मैं भारतीय फुटबॉल टीम का गोलकीपर हूं। पंजाब का पूर्व मुख्यमंत्री नहीं। कृप्या मुझको अपने ट्वीट्स में टैग करना बंद करें। उनके इस ट्वीट के बाद ट्विटर पर काफी मजेदार कमेंट देखने को मिले। इस पर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री का भी ट्वीट आया और उन्होंने गोलकीपर अमरिंदर सिंह से सहानुभूति दिखाते हुए आगे के मैचों के लिए शुभकामनाएं दी। फुटबॉल टीम भी अभी इस कारण सुर्खियों में है क्योंकि भारतीय टीम को मालदीव में होने वाले सैफ टूर्नामेंट में 4 देशों से दो दो हाथ करने है।

अश्विन ने बताया, मॉर्गन ने उन्हें डिसग्रेस कहकर उनका अपमान किया

मुंबई (एजेंसी)।

रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबले में ओवर थ्रो लेने से पहले उन्हें पता नहीं था की गेंद उनके कप्तान ऋषभ पंत के शरीर पर लगी थी।

हालांकि अश्विन का कहना है कि 19वें ओवर में घटे इस किस्से में रन लेना उनका अधिकार था। इस ओवर थ्रो के चलते कोलकाता के खेमे से टीम साउदी और इयोन मॉर्गन व दिल्ली के अश्विन के बीच कहासुनी भी हुई और अश्विन ने बताया कि मॉर्गन ने उन्हें डिसग्रेस बुलाकर उनका अपमान किया। बल्लेबाज के शरीर पर लगने के बाद गेंद अगर छिटक कर चली जाए तो ओवर थ्रो लेने में खेल के नियमों में कोई पाबंदी नहीं है लेकिन आम तौर पर बल्लेबाज ऐसे रन लेने से इंकार करते हैं। मजे की बात यह है कि ऐसे में गेंद अगर सीमा रेखा लांघ जाए तो अंपायर बॉउंड्री देने के सिवाय कुछ नहीं कर सकते।

अश्विन ने ट्विटर पर घटनाक्रम का विवरण दिया और कहा कि मॉर्गन और साउदी दोनों को इस पर भाषण देने का कोई अधिकार नहीं है।

अश्विन ने लिखा, 1. मैं फील्डर के थ्रो करने पर ही दौड़ पड़ा था और मुझे यह नहीं पता था कि गेंद ऋषभ के शरीर पर लगी है।

2. अगर मुझे यह दिख भी जाए तो क्या मैं भागूंगा? जी हां और यह मेरा अधिकार है।

3. क्या मॉर्गन का मुझे डिसग्रेस बुलाकर अपमान करना उचित था? बिलकुल नहीं।

अश्विन ने तथाकथित स्पिरिट ऑफ द गेम (खेल भावना) के अलग-अलग मापदंडों पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, इस खेल में लाखों युवक और युवतियां अपने अंदाज में खेलते हुए अपने करियर को संवारने की कोशिश करते हैं। उन्हें सिखाइए कि एक गलत थ्रो पर रन चुराने से आप अपना करियर बना सकते हैं और नॉन स्ट्राइकर छोर पर बाहर खड़े रहने से आपके करियर को नुकसान हो सकता है। आप उन्हें ऐसा कहकर भ्रमित मत कीजिए कि ऐसी परिस्थितियों में रन ना लेने से या खिलाड़ी को चेतावनी देने से आप अच्छे इंसान बन जाते हैं। यह हिदायत वही देते हैं जो खेल से पेट पाल चुके हैं और सफलता प्राप्त कर चुके हैं। आप मैदान पर डटकर मुकाबला करिए और मैच खत्म होने पर हाथ मिला लीजिए। स्पिरिट ऑफ द गेम की परिभाषा मेरे लिए यही है।

अश्विन ने नॉनस्ट्राइकर को क्रीज के बाहर रहने पर रन आउट करके पहले भी क्रिकेट जगत में सोच के ध्रुवीकरण में योगदान दिया है। यह भी क्रिकेट के नियमों के अनुसार जायज है लेकिन आम तौर पर दिखाई नहीं देती। 2011 में आईसीसी ने एक नए नियम के तहत इस आउट करने के तरीके को और आसान बना दिया था लेकिन अश्विन की फिर भी कड़ी आलोचना हुई थी।

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने कहा मजाक बना दिया, कप्तान कोहली ने खिलाड़ियों की तारीफ में बांधे पुल

दुबई। राजस्थान रॉयल्स की हार पर कप्तान संजू सैमसन निराश दिखे और बैंगलोर से मिली हार का ठीकरा अपने बल्लेबाजों पर फोड़ा जिन्होंने अच्छी शुरुआत के बावजूद बैंगलोर को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचाया। इस हार के बाद राजस्थान के लिए प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद ना के बराबर हो गई है।

समैसन ने कहा कि 'हमारी शुरुआत अच्छी रही लेकिन हम इसका फायदा नहीं उठा पाये। मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करनी होगी। हमारे बल्लेबाजों ने गलत टाइमिंग से शॉट खेलकर विकेट गंवाये।' सच कहूं तो हमने एक सप्ताह में बहुत मेहनत की थी, हम एक फ्रेंचाइजी के तौर पर वापसी करना चाहते थे। हम खुश हैं कि हमने इस मकसद के साथ गेंदबाजी की। हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। इससे जिस तरह की हमें आजादी मिली है, उसकी वजह से हमने कई मजाकिया चीजें भी देखी हैं। हम आखिरी मैच तक लड़ना चाहते हैं।'

वहीं विराट कोहली ने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और वापसी की वाहवाही की और वह इस जीत से खुश दिखे क्योंकि इस जीत से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने जीत की और एक और कदम बढ़ा दिया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान विराट कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में धमाकेदार जीत का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए बुधवार को यहां कहा कि लगातार दो मैचों में गेंदबाजी में वापसी करना टीम के लिये अच्छा संकेत है। आरसीबी ने रॉयल्स को अंतिम नौ ओवर में केवल 49 रन बनाने दिये और इस बीच आठ विकेट लिये। रॉयल्स नौ विकेट पर 149 रन ही बना पाया। आरसीबी ने 17.1 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया।कोहली ने मैच के बाद कहा, ''हमने लगातार दो मैचों में गेंदबाजी में शानदार वापसी की जो कि अच्छा संकेत है।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि यदि गेंदबाजी करते समय धैर्य बनाये रखते हैं तो आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दोनों मैचों में विरोधी टीम ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 56 रन बनाये लेकिन दोनों मैचों में हमने विकेट लेकर विरोधी टीम को मजबूत स्कोर नहीं बनाने दिया।''

अपने काबिलियत पर भरोसा है, जिसके चलते विकेट लेने में मदद मिली : चहल

दुबई (एजेंसी)।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल ने कहा है कि उन्हें अपने काबिलियत पर भरोसा है, जिसके चलते उन्हें विकेट निकालने में मदद मिली।

चहल राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में मैन ऑफ द मैच और काफी खुश दिखे। आईपीएल 2021 के पहले चरण में चहल फॉर्म में नहीं थे, पर यूएई में वह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। चहल ने अपने अंतिम दो मुकाबले में पांच विकेट लिए जिसके चलते आरसीबी को मैच जीतने में मदद मिली। चहल ने कहा आईपीएल 2021 के यूएई चरण में उनकी गेंदबाजी अच्छी रही है।

चहल ने कहा, आईपीएल 2021 के पहले चरण में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी नहीं की थी जिसके बाद उन्होंने अपने सीनियरों से बात की और पता लगाया कि उनसे कहां गलती हो रही है। श्रीलंका में मैंने वापसी की, मुझे लगता है कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है और यहां मैं उसी का उपयोग कर रहा हूं। चहल, राजस्थान के विरुध बहुत देरी से गेंदबाजी करने आए, उन्होंने कहा कि विराट चाहते थे कि जब तक दो बांए हाथ के बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे हैं वह मध्यम गति के गेंदबाज से गेंदबाजी करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जब एविन लुईस आउट हो जाएंगे, तब मुझे गेंदबाजी करने आना है पर ऐसा नहीं हुआ जब लुईस बल्लेबाजी कर ही रहे थे, तब मैं गेंदबाजी करने आ गया था। चहल ने कहा वह धीमी गति से गेंदबाजी कर रहे थे, ताकि बल्लेबाज जोखिम ले सके। उन्होंने कहा, मैं चहता था कि बल्लेबाज मेरे खिलाफ कवर के उपर से शॉट लगाए क्योंकि कवर के दिशा का मैदान थोड़ा बड़ा था। चहल चाहते है कि आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करें ताकि वह भारतीय टीम में अपनी जगह बना सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसा हो मधुमेह के रोगी का आहार

मधुमेह के रोगी का आहार केवल पेट भरने के लिए ही नहीं होता, उसके शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा को संतुलित रखने में सहायक होता है। चूंकि यह रोग मनुष्य के साथ जीवन भर रहता है इसलिए जरूरी है कि वह अपने खानपान पर हमेशा ध्यान रखे। आमतौर मरीज ब्लडशुगर की नार्मल रिपोर्ट आते ही लापरवाह हो जाता है। मधुमेह के मरीज के मुंह में गया हर कौर उसके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसलिए जो भी खाएं सोच समझकर खाएं।

इन्सुलिन हार्मोन के स्रावण में कमी से डायबिटीज रोग होता है। डायबिटीज आनुवांशिक या उम्र बढ़ने पर या मोटापे के कारण या तनाव के कारण हो सकता है। डायबिटीज ऐसा रोग है जिसमें व्यक्ति को काफी परहेज से रहना होता है। बदपरहेजी करने के दूरगामी परिणाम बुरे होते है। मधुमेह के रोगी को आंखों व किडनी के रोग, सुन्नपन आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इसलिए सदैव यही प्रयत्न करना चाहिए कि ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70-110 मिलीग्राम/ डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100-140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए। सही समय पर दवाई या इंसुलिन लेना चाहिए। डायबिटिक व्यक्ति को अपने वजन व लंबाई के अनुसार प्रस्तावित कैलोरीज से 5 प्रश कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति की लंबाई 5 फुट 4 इंच है तो उसका आदर्श वजन 55 किग्रा होना चाहिए। व्यक्ति की क्रियाशीलता यदि कम है, जैसे कि वह बैठे-बैठे कार्य करता है तो उसे 2400 कैलोरी लेना चाहिए। डायबिटिक हो तो इसका 5 प्रश कम अर्थात 2280 कैलोरी आहार उसके लिए सही रहेगा। यदि वह मोटा हो तो उसे 200-300 कैलोरी और घटा देना चाहिए। ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70-110 मिलीग्राम/ डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100-140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए।

सामान्य डायबिटिक व्यक्ति को अपने आहार में कुल कैलोरी का 40 प्रश कार्बोहाइड्रेटयुक्त पदार्थों से, 40 प्रश फेट (वसा) युक्त पदार्थों से व 20 प्रश प्रोटीनयुक्त पदार्थों से लेना चाहिए। एक वयस्क अधिक वजनी डायबिटिक व्यक्ति को 60 प्रश कार्बोहाइड्रेट से, 20 प्रश फेट से व 20 प्रश प्रोटीन से कैलोरी लेना चाहिए।

डायबिटिक व्यक्ति को प्रोटीन अच्छी मात्रा में व उच्च गुणवत्ता वाला लेना चाहिए जैसे दूध, दही, पनीर, अंडा, मछली, सोयाबीन आदि का सेवन करना चाहिए। इंसुलिन ले रहे डायबिटिक व्यक्ति एवं गोलियाँ ले रहे डायबिटिक व्यक्ति को खाना सही समय पर लेना चाहिए। ऐसा न करनेपर हायपोग्लाइसीमिया हो सकता है, जिसके लक्षण निम्न हैं- (1) कमजोरी लगना, (2) अत्यधिक भूख लगना, (3) पसीना आना, (4) नजर से धुंधला या डबल दिखना, (5) हृदयगति तेज होना, (6) झटके आना एवं गंभीर स्थिति होने पर कोमा भी हो सकता है।

इसलिए डायबिटिक व्यक्ति को हमेशा अपने साथ कोई मीठी चीज जैसे ग्लूकोज, शकर, चॉकलेट, मीठे बिस्किट में से कुछ रखना चाहिए एवं ऐसे लक्षण होने पर तुरंत इनका सेवन करना चाहिए। एक सामान्य डायबिटिक व्यक्ति को अपने आहार में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए कि वे थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाते रहें। दो या ढाई घंटे में कुछ खाएँ। एक समय पर बहुत सारा खाना न खाएं।

तले हुए पदार्थ, मिठाइयां, बेकरी के पदार्थों से परहेज करें। दूध सदैव डबल टोन्ड (स्किम्ड मिल्क) का प्रयोग करें। कम कैलोरीयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें जैसे भुना चना छिलके वाला, परमल, अंकुरित अनाज, सूप, सलाद आदि का ज्यादा सेवन करें। दही (स्किम्ड मिल्क) से बनाया हुआ ले सकते हैं। छाछ का सेवन श्रेयस्कर होता है। मैथीदाना (दरदरा पिसा हुआ) 1/2-1 चम्मच खाना खाने के 15-20 मिनट पहले लेने से शुगर कंट्रोल में रहती है व फायदा होता है। रोटी के आटे को बिना चोकर निकाले प्रयोग में लाएं व इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इसमें सोयाबीन मिला सकते हैं।

घी व तेल का सेवन दिनभर में 20 ग्राम (4 चम्मच) से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अतः सभी सब्जियों को कम से कम तेल का प्रयोग करके नॉनस्टिक कुकवेयर में पकाना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां खाना चाहिए। अपनी कैलोरीज का निर्धारण कुशल डायटिशियन से बनाकर उसके अनुसार चलें तो अवश्य ही लाभ होगा व भोजन में विकल्प ज्यादा मिल सकते हैं जिससे आपका भोजन वैरायटी वाला हो सकता है व बोरियत नहीं होगी।

हल्दी सिर्फ चेहरे के लिए ही नहीं ब्लकि स्वास्थ्य के लिए भी है लाभदायक

- हल्दी को मलाई और शहद में मिलाकर चेहरे पर लगाने से सांवले रंग में निखार आता है।
- किसी अंग पर बाहरी चोट लगी हो और खून जम गया हो, दर्द भी होता हो या मोच आ गई हो तो उस स्थान पर हल्दी में चूना मिला कर हल्का गर्म कर लेप लगाएं। सूजन और दर्द में लाभ मिलेगा।
- शरीर पर चाकू लगने से खून बंद न हो तो कटे स्थान पर हल्दी लगा कर दबा दें। खून बहना बंद हो जाएगा।
- अगर पेट में कीड़े हों तो कच्ची हल्दी के रस के साथ शहद मिला कर 10 दिन तक लगातार लेते रहें।
- खांसी, जुकाम व नाक बहने पर कच्ची हल्दी थोड़े से उबले दूध में मिला कर रात्रि में सोने से पूर्व गर्म दूध पी लें। 3-4 दिन लगातार पीने से लाभ मिलेगा। वैसे सर्दी के मौसम में आप स्वस्थ भी हैं तो सप्ताह में एक बार गर्म हल्दी वाला दूध पीते रहें। हल्दी की मात्रा बहुत कम लें।
- शरीर में कमजोरी महसूस होने पर सूखी हल्दी का चूर्ण, शहद, गर्म दूध में मिला कर कुछ दिन तक लगातार पीते रहने से कमजोरी दूर होती है। दूध में हल्दी थोड़ी मात्रा में डालें।
- सब्जियों में हल्दी अवश्य डालें ताकि आंतरिक गड़बड़ी और पाचन तंत्र ठीक बना रहे।
- हल्दी में कैंसर विरोधी तत्व भी पाए जाते हैं इसलिए इसका सेवन नियमित करते रहें।

विटामिन डी की कमी से हो सकते है कई रोग

भारत में रहने वाले 80 फीसदी जनसंख्या विटामिन डी की कमी से पीड़ित है इस कारण लोगों को कई रोगों का शिकार होना पड़ता है। मधुमेह, हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा सबसे अधिक रहता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शरीर में विटामिन डी की कमी होने के कोई लक्षण नहीं होते ब्लकि ऐसे लोगों को कई बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक एम सी मिश्रा ने कहा है कि भारत के लोग इस बात को भूल जाते हैं कि विटामिन डी की कमी से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं जैसे मधुमेह, हृदय रोग यहां तक कि कैंसर तक हो सकता है।

लंबी आयु पाते हैं मेधावी बच्चे

ब्रिटिश मैडीकल जर्नल में प्रकाशित एक शोध के अनुसार मेधावी लोग अधिक आयु जीते हैं। इस शोध में विशेषज्ञों ने सन् 1932 में 2792 बच्चों को, जिनकी उम्र 11 वर्ष थी, का आई.क्यू. टैस्ट लिया। फिर 1997 में विशेषज्ञों ने इस बात की जांच की कि इनमें से कौन-कौन जीवित है और उन्होंने पाया कि जिन बच्चों ने 1932 में अधिकतम आई.क्यू. स्कोर पाया था वे साठ साल बाद भी जीवित थे। यही नहीं, विशेषज्ञों ने इन्हीं में से 100 ऐसे बच्चों के आई.क्यू. स्कोर एकत्र किए जो सामान्य थे। जिनका स्कोर 102 पाया गया, वे 76 साल के बाद भी जीवित थे जबकि जिनका 97.7 था, वे 1997 तक ही जीवित रहे।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के प्रोफैसर लारेंस वेले जो इस शोध के प्रमुख थे, उनके अनुसार उनके द्वारा एकत्र किए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि बचपन में जिन बच्चों की मानसिक क्षमता अधिक होती है उनके लंबी आयु जीने की संभावना अधिक होती है।

पथरी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है सेब

आयुर्वेद के अनुसार सेब पित्तनाशक, वातनाशक, शीतल, पुष्टिकारक व हृदय के लिए फायदेमंद, वीर्यवर्धक तथा गुर्दों को साफ करने वाला फल है।इसमें सर्वाधिक मात्रा में फास्फोरस होता है।इसमें आयरन, प्रोटीन, कैल्शियम, शर्करा तथा बी समूह के विटामिन भी पर्याप्त मात्रा में होते हैं।

- यह हृदय रोग में बहुत लाभकारी है।दिल कमजोर हो या दिल की धड़कन कम या ज्यादा हो तो चांदी का वर्क लगाकर सेब के मुरब्बे का सेवन करना चाहिए। इससे मोटापा भी दूर होता है।
- पथरी रोगी के लिए सेब बहुत फायदेमंद है।रोगी को पूर्णतः पके हुए चार-पांच सेब प्रतिदिन खाने को देने चाहिएं।
- जिगर के रोगी के लिए तो सेब अमृत के समान है।मस्तिष्क की कमजोरी दूर करने के लिए सेब एक अचूक इलाज है।
- जिन लोगों की दृष्टि कमजोर है उन्हें एक ताजा सेब की पुल्टिस कुछ दिनों तक आंखों पर बांधनी चाहिए। यदि भोजन के साथ प्रतिदिन ताजा मक्खन तथा मीठा सेब खाएं तो नेत्र ज्योति तो तेज होती है, साथ ही दस्त व पेशाब खुल कर आता है तथा चेहरा सुर्ख हो जाता है।
- बुखार में रोगी को प्यास, जलन, थकान तथा बेचैनी हो तो सेब की चाय या ताजा सेब का रस पिलाना चाहिए। इससे रोगी को तुरन्त आराम मिलता है।
- गले में घाव, छाले हों या किसी भी चीज को निगलने में कष्ट होता हो तो अच्छे ताजे सेब का रस निकालें, फिर चम्मच से धीरे-धीरे रस गले तक ले जाएं और कुछ समय के लिए गले में रोक कर रखें। इससे आश्चर्यजनक लाभ होता है।
- पेट में गैस की शिकायत रहती हो तो एक मीठे सेब में लगभग 10 ग्राम लौंग चुभाकर रख दें। दस दिन बाद लौंग निकालकर तीन लौंग तथा एक मीठा सेब नियमित रूप से खाएं। इस दौरान चावल या उससे बनी चीजें रोगी को खाने को न दें।
- पेट के कीड़ों के निदान के लिए रोगी को प्रतिदिन दो मीठे सेब दें या प्रतिदिन एक गिलास ताजा सेब का रस दें।
- कब्ज दूर करने के लिए प्रतिदिन सुबह उठ कर खाली पेट दो सेब चबा-चबा कर खाएं।

हेयर फॉल दूर करने में मेथी है रामबाण

मेथी का इस्तेमाल आपने अपने किचन में तो खूब किया होगा। मार्केट में आसानी से उपलब्ध हो जाने से लोग इसके फायदों से अनजान हैं, लेकिन क्या आपको पता है मेथी के ये दाने कितने फायदेमंद हैं। ये बालों की डैंड्रफ को तो दूर करता ही है साथ ही ये चेहरे के लिए, पेट के लिए और यहां तक कि पथरी की बीमारी में भी काफी फायदेमंद है। आइए आज हम आपको मेथी के फायदों के बारे में बताते हैं।

डैंड्रफ भी हो जाएगी दूर

डैंड्रफ होना बालों की एक आम समस्या है। यह सिर की त्वचा रूखी-सूखी होने और डेड स्किन सेल्स की वजह से होती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए आपने अब तक कई एंटी-डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल कर लिया है लेकिन फिर भी यह समस्या नहीं जा रही है तो हम आपको इसका घरेलू उपाय बता रहे हैं। बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए मेथी दाने बहुत असरदार होते हैं। इसके लिए मेथी के दानों को मुलायम होने के लिए रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इसको पीसकर पेस्ट बना लें। आप चाहें तो इसमें दही मिलाकर पेस्ट को स्कैल्प और बालों की जड़ों पर अच्छे से लगाएं, साथ ही मसाज भी करें। अब इसे 30 मिनट बाद धो लें।

बाल होते हैं मजबूत

मेथी के दाने बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और डैमेज्ड हेयर को पुनर्जीवित करते हैं। इसमें प्रोटीन होता है, इसलिए मेथी दानों को अपनी डाइट में शामिल करने से बाल हेल्दी और खूबसूरत बनेंगे। इसके लिए भीगी हुई मेथी के पेस्ट में एक या दो बड़ा चम्मच नारियल तेल या जैतून के तेल को मिलाकर बालों में लगाएं। सूखने के बाद इसे पानी से धो लें।

पाचन में फायदेमंद

मेथी के दानों के सेवन से पेट दर्द और जलन दूर होती है। साथ ही पाचन क्रिया भी दुरुस्त होती है। पाचन संबंधी समस्या को दूर करने के लिए मेथी दानों के पेस्ट में कसी हुई अदरक मिलाएं और खाने से पहले एक बड़ा चम्मच इस पेस्ट को खाएं। इससे पेट से संबंधित रोग दूर होंगे।

डायबीटीज भी करती है कंट्रोल

मेथी के दानों से ब्लड शुगर कंट्रोल होता है। इसमें मौजूद एमीनो एसिड तत्व पैनक्रियाज में इंसुलिन के स्राव को बढ़ाता है जो शरीर से ब्लड शुगर लेवल कम करता है। स्टडी के अनुसार डायबीटीज के रोगियों द्वारा मेथी दानों के सेवन से फायदा होता है। इसके लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसे छानकर इसका पानी पिएं। ऐसा करीब दो महीने तक लगाकर करने से डायबीटीज में काफी हद तक आराम मिलेगा।

किडनी के लिए फायदेमंद

मेथी के सेवन से किडनी भी स्वस्थ होती है। पथरी के इलाज में मेथी फायदा करती है। इस जादुई औषधि से पथरी पेशाब के साथ शरीर से बाहर निकल जाती है। मेथी के दानों को एक छोटे चम्मच नींबू के रस और शहद के साथ खाने से बुखार में काफी हद तक आराम मिलता है।

पिंपल्स भी हो जाएंगे दूर

मेथी दाने पिंपल्स और ब्लैकहेड ट्रीटमेंट के लिए फायदेमंद है। इसके लिए मेथी के दानों को पीस कर पेस्ट बना लें और इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। अब इसे मिक्सचर को रात में सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस उपाय को लगातार करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आएगा।

वजन कम करने में उपयोगी

मेथी के दानों में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। खाली पेट मेथी दानों को चबाने से एक्सट्रा कैलरी बर्न होती है। इसका दूसरा उपाय है कि सुबह दो गिलास मेथी का पानी पिएं। मेथी का पानी बनाने क लिए एक बड़ा चम्मच मेथी के दानों को दो गिलास पानी में रातभर भिगो दें और सुबह इसे छानकर पी लें।

सार समाचार

अमेरिका के डलास में एक अपार्टमेंट में विस्फोट, चार दमकल कर्मियों समेत आठ लोग घायल

डलास (अमेरिका)।दक्षिण डलास में एक अपार्टमेंट परिसर में बुधवार सुबह विस्फोट होने से चार दमकल कर्मियों समेत आठ लोग घायल हो गए। इनमें से तीन दमकल कर्मियों की हालत गंभीर है। 'डलास फायर-रेस्क्यू' ने एक बयान में बताया कि दमकलकर्मी दो मंजिला परिसर में प्राकृतिक गैस रिसाव की सूचना मिलने के बाद वहां जांच कर रहे थे। विस्फोट के कारण इमारत के आंशिक रूप से गिरने से ठीक पहले परिसर में गैस रिसाव की गंध आ रही थी। बयान में कहा गया कि आठों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से तीन दमकल कर्मियों की हालत गंभीर है और बाकियों की हालत स्थिर है। विस्फोट के कारण का तत्काल पता नहीं चल पाया है और इस संबंध में जांच जारी है।

दक्षिण कोरिया के साथ 'हॉटलाइन' बहाल करना चाहते हैं उत्तर कोरिया के नेता किम

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग -उन ने कहा है कि वह अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के साथ 'हॉटलाइन' बहाल करेंगे। एक सरकारी मीडिया रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को किम के इस बयान की जानकारी दी गई। 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने किम के हवाले से कहा कि इस कदम का लक्ष्य दोनों देशों के बीच शांति की कोरियाई लोगों की इच्छा को पूरा करना है। किम के इस बयान से एक ही दिन पहले उत्तर कोरिया ने बुधवार को दावा किया था कि उसने एक नई 'हाइपरसोनिक मिसाइल' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। केसीएनए ने कहा कि किम ने यह बयान देने के साथ ही दक्षिण कोरिया से अपील की कि वह अपने ''अनुचित दोहरे व्यवहार'' और ''शत्रुतापूर्ण नीतियों'' को त्याग दे। किम ने यह भी कहा कि अमेरिका की ''शत्रुतापूर्ण नीतियां'' और ''सैन्य खतरे'' अब भी बने हुए हैं और उसका वार्ता का हालिया प्रस्ताव केवल इस शत्रुता को छुपाने की कोशिश है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि वह अमेरिका को आर्थिक प्रतिबंधो में ढील और अन्य रियायतें देने के लिए राजी कर पाए।

मेक्सिको ने 70 हाउतियन प्रवासियों को घर वापस भेजा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको ने प्रवासी संकट के बीच 70 हाउतियन प्रवासियों को उनकी राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस वापस भेजा, यह हाउतियन संयुक्त राज्य की सीमा पर आते थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको के विदेश मंत्रालय और आंतरिक मंत्रालय ने एक संयुक्त बयान में बताया कि समूह में 41 पुरुष, 16 महिलाएं और 13 नाबालिग शामिल हैं। बयान में कहा, सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित आव्रजन के प्रति प्रतिबद्धता, मानवाधिकारों के लिए पूर्ण सम्मान और सुरक्षा की पुष्टि की जाती है। मेक्सिको के विदेश मंत्री मासेलो एब्रार्ड ने कहा कि उनके देश ने उन लोगों को शरणार्थी का दर्जा देने की पेशकश की थी जिन्होंने इसे अन्य देशों में प्राप्त नहीं किया था।

ट्यूनीशिया में पहली बार महिला बनी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति कैस सईद ने किया नियुक्त

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद ने बुधवार को राष्ट्रपति पद के अनुसार नई सरकार बनाने वाली नजला बोडेन रोमधाने को अपने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नए सरकार के प्रमुख को संबोधित करते हुए सईद ने घोषणा की कि देश जिस असाधारण स्थिति से गुजर रहा है, उसे देखते हुए मैंने आपको एक नई सरकार बनाने का काम सौंपने का फैसला किया है। सईद ने कहा, आप हमारे देश के इतिहास में सरकार की पहली महिला मुखिया हैं। सईद ने कहा, हम भ्रष्टाचार को खत्म करने और अराजकता को खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प के साथ मिलकर काम करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आप पिछले असाधारण उपायों के प्रावधानों के अनुसार आने वाले घंटों या दिनों में सरकार के गठन का प्रस्ताव देने में कामयाब होंगे। सईद ने कहा कि नई सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई, लोगों के मौलिक अधिकारों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन के अधिकार की रक्षा करना और उन्हें बढ़ावा देना शामिल है। 1958 में जन्मी, नव नियुक्त प्रधानमंत्री ट्यूनिस के नेशनल इंजीनियरिंग स्कूल में एक अकादमिक थी और ट्यूनीशियाई उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय में विश्व बैंक कार्यक्रम निष्पादन अधिकारी के पद पर भी रह चुकी हैं।

पुतिन, एर्दोगन ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

मोस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को सोची में अपने तुर्की समकक्ष रेसेप तईप एर्दोगन के साथ अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों और द्विपक्षीय संबंधों पर सहयोग पर चर्चा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में रूसी-तुर्की सहयोग सफल रहा है, जो सीरिया और लीबिया पर स्थिति के समन्वय के उद्देश्य से किए गए प्रयासों की ओर इशारा करता है। उन्होंने नागोर्नो-कराबाख में युद्धविराम की निगरानी के लिए रूसी-तुर्की केंद्र के काम का सकारात्मक मूल्यांकन किया, और कहा कि इसने क्षेत्र में स्थिरता और सुलह को बढ़ावा देने का काम किया। रूसी नेता ने तुर्की स्ट्रीम गैस पाइपलाइन के सफल काम पर भी जोर दिया, जिसने यूरोपीय गैस बाजार में अशांत स्थिति के बीच काम करना जारी रखा है। दोनों नेताओं ने कहा कि तुर्की प्रांत मेर्सिन में अक्कुयू परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण पर योजना के अनुसार काम किया जा रहा है। एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच सैन्य, व्यापार, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों के संबंध में प्रगतिशील विकास का उल्लेख किया और कहा कि सीरिया में शांति काफी हद तक मास्को और अंकारा के बीच सहयोग पर निर्भर करती है।

चीन का बीआरआई प्रोग्राम 42 देशों के लिए बना जी का जंजाल, 385 अरब डॉलर के कर्ज के नीचे दबे सभी

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन का पुराना फार्मूला है इन्वेस्टमेंट और व्यापार के लुभावने वादे। श्रीलंका हो या मालदीव पाकिस्तान हो या नेपाल, इन देशों में खूब इनवेस्ट करता है और तरक्की के सपने बेचता है और फिर इसी कर्ज की राह अपने सामरिक हित साधता है। चीन का मकसद बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिये पूरी दुनिया को चीन से जोड़ने का है। इसके लिए वो कई देशों में भारी मात्रा में निवेश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो इसके तहत उसने सलाना 85 अरब डॉलर के करीब खर्च किए हैं। चीन की महत्वकांक्षा अब 42 देशों के लिए मुसबीत बनती जा रही है। अब इन देशों को चीन के 385 अरब डॉलर की चिंता सताने लगी है। एक स्टडी के अनुसार इन देशों पर चीन का कर्ज उनकी जीडीपी के 10प्र. से अधिक पहुंच गया है।

AidData द्वारा आज जारी अध्ययन को 'बैंकिंग ऑन बेल्ट एंड रोड पर- 13,427 चीनी विकास परियोजनाओं का वैश्विक डेटासेट' नाम दिया गया है। इसके मुताबिक बीआरआई की 35प्र. इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को भ्रष्टाचार घोटालों मजदूर हिंसा, पर्यावरण असुरक्षा और जनविरोध जैसी बड़ी कार्यान्वयन समस्याओं का सामना करना पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीआरआई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पटरी पर उचारने में औसतन 1047 दिन का समय लगता है। इसकी तुलना में बीआरआई के इतर चीनी सरकार द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाएं में स्थिति काफी बेहतर हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कई मेजबान सरकारें 'भ्रष्टाचार और अधिक कीमतों की चिंताओं के साथ-साथ सार्वजनिक भावना में बड़े बदलाव के कारण हाई-प्रोफाइल बीआरआई परियोजनाओं को प्रभावित कर रही हैं, जिससे चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना मुश्किल हो गया है। चीन दूसरे देशों को मदद के बजाय लोन देना पसंद करता है। बीआरआई में उसका लोन-टु-ऐड रेश्यो 31:1 है जो किसी भी स्टैंडर्ड से बहुत अधिक है। एशिया बेस्ड एकेडमिक राइटर रिचर्ड हेडेरियन का कहना है कि बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से 21 वीं सदी की भू-राजनीति की धुरी बनता जा रहा है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के एक आधिकारिक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि अब से 2040 तक दुनियाभर में इन्फास्ट्रक्चर के विकास के लिए 94 लाख करोड़ डॉलर की जरूरत होगी। यह चीनी धन के लिए दुनिया की भूख की व्याख्या करता है, साथ ही साथ क्यों देश बीआरआई की कमियों को नजरअंदाज करने के लिए तैयार हैं।

इजराइल : यरुशलम में इज़राइल पुलिस ने अधिकारियों पर हमला करने वाली महिला को गोली मारी

यरुशलम। इज़राइली पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अधिकारियों ने उस फलस्तीनी महिला को गोली मार दी है, जिसने पूर्वी यरुशलम की ओल्ड सिटी में उन्हें कथित तौर पर चाकू मारने की कोशिश की थी। महिला को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने एक बयान में बताया कि महिला शहर के पवित्र स्थल के प्रवेश द्वार (जिसे मुस्लिम, अल-अक्सा परिसर और यहूदी, टेंपल माउंट के रूप में जानते हैं) पर अधिकारियों के पास आई थी। पुलिस ने कहा, '' महिला ने पास पहुंचते ही एक चाकू निकाला और अधिकारियों पर हमला करने की कोशिश की। चिकित्साकर्मियों ने महिला को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया।'' फलस्तीनियों ने हाल के वर्षों में यरुशलम और वेस्ट बैंक में इज़राइल के सैनिकों, पुलिस अधिकारियों और नागरिकों को निशाना बनाते हुए कई बार कार से टक्कर मारने की कोशिश की, गोलीबारी की और चाकू से भी हमले किए हैं। वर्ष 1967 के युद्ध में इज़राइल ने पूर्वी यरुशलम और वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था।

संकट में सीपीईसी परियोजना, पिछले 3 साल के दौरान नहीं हुआ काम

इस्लामाबाद/नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान की योजना पर सीनेट की स्थायी समिति के अध्यक्ष सलीम मांडवीवाला ने हाल ही में कहा है कि चीनी राजदूत और कंपनियों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम की धीमी गति के बारे में शिकायत की है।

उन्होंने खुलासा करते हुए कहा, वे रो रहे हैं। चीनी राजदूत ने मुझसे शिकायत की है कि आपने (पाकिस्तान) सीपीईसी को नष्ट कर दिया है और पिछले तीन वर्षों में कोई काम नहीं किया गया है। इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की मौजूदा सरकार से चीनी बहुत नाराज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2015 में शुरू होने के बाद से देश में 77 सीपीईसी परियोजनाओं में से सिर्फ 15 ही पूरी हो सकी हैं। यहां तक कि पाकिस्तान के योजना एवं विकास मंत्री असद उमर ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है कि पाकिस्तान सीपीईसी का पहला चरण ही पूरा कर सकता है और यह दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है।

सीपीईसी को धीमा करने की धारणा को दूर करने के लिए हाल ही में एक जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मंत्री ने दावा किया कि वर्तमान पीटीआई सरकार के कार्यकाल के दौरान कॉरिडोर परियोजनाओं पर प्रमुख काम पूरा हो गया है। हालांकि, उमर ने यह भी माना कि सीपीईसी के लिए अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के विरोध और अफगानिस्तान की ताजा स्थिति के कारण देश में सुरक्षा खतरे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा, सुरक्षा खतरा बढ़ गया है। पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि सीपीईसी पर विकास को बड़ी वैश्विक शक्तियों द्वारा घृणा के साथ देखा गया है, जो देश में असंतोष फैलाना चाहते हैं। अफगानिस्तान की अनिश्चित स्थिति के कारण भी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, इसलिए न केवल सुरक्षा चुनौतियां हैं, बल्कि ये एक ऊंचे स्तर पर हैं।

सीपीईसी चीन की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया के तटीय देशों में देश के ऐतिहासिक व्यापार मार्गों को नवीनीकृत करना है। 2015 में, चीन ने चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) परियोजना की घोषणा की थी, जिसकी लागत 60 अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। सीपीईसी के साथ, बीजिंग का लक्ष्य अमेरिका और भारत के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान और मध्य और दक्षिण एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार करना है।

सीपीईसी पाकिस्तान के दक्षिणी ग्वादर बंदरगाह (कराची से 626 किलोमीटर पश्चिम में) को अरब सागर पर चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र से जोड़ेगा। इसमें चीन और मध्य पूर्व के बीच संपर्क में सुधार के लिए सड़क, रेल और तेल पाइपलाइन लिंक बनाने की योजना भी शामिल है। सीपीईसी बीआरआई पहल का हिस्सा है, जिसे हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) पर नियंत्रण पाने के लिए चीन की भू-रणनीति के रूप में पेश किया गया है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से भारत और इसकी ऊर्जा आपूर्ति को घेरने के साथ ही मध्य पूर्व और मध्य एशियाई क्षेत्र तक पहुंच का विस्तार करना भी है।

हालांकि, भ्रष्टाचार, सुरक्षा लागत और पाकिस्तान के कर्ज संबंधी तनाव के मुद्दों ने चीनी रुख को तेजी से प्रभावित किया है और इसे सीपीईसी में निवेश करने से अनिच्छुक बना दिया है, जिसने चीन-पाकिस्तान की सदाबहार दोस्ती को प्रभावित किया है। 14 जुलाई को उत्तरी पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के दसू में नौ चीनी कामगारों की हत्या कर दी गई थी। चीनी और पाकिस्तानी श्रमिकों को ले जा रही एक बस में विस्फोट हुआ था, जो सीपीईसी के हिस्से के रूप में चीन द्वारा बनाए जा रहे एक जलविद्युत बांध की साइट पर हुआ था। विस्फोट के बाद से परियोजना पर काम रोक दिया गया है और इस्लामाबाद को पाकिस्तान में इसकी परियोजनाओं की सुरक्षा के बारे में बीजिंग को आश्वस्त करने के लिए बहुत पीड़ा हो रही है।

तालिबानियों से सामना करने को तैयार है यह महिलाएं, किसी भी हाल में नहीं रोकेगी अपना काम

काबूल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान की हुकुमत के बाद से देश की महिलाओं की हालत काफी दयनीय है। महिलाओं के कामाकाज में रोक लगाई जाने के बीच तालिबान के हेरात प्रांत में भगवा मसाला कारोबार में शामिल अफगान महिलाओं ने यह साफ कर दिया है कि, तालिबान के डर से उन्हें नजरबंद नहीं किया जाएगा। वह लंबे समय से कारोबार कर रहे है और सत्ता में आने के बाद तालिबान के डर से अफगान महिलाएं किसी भी हाल में अपना काम नहीं रोकेगी।

साल 2006 तक सफी अट्टाई ने हेरात के पश्तून जरघन जिले में 25 हेक्टेयर भूमि पर केसर मसाला कारखाना स्थापित किया था। इसी भूमि पर केसर के फूल उगाए जाते हैं और कारखाने में दुनिया का सबसे महंगा %केसर क्रोकस% मसाला बनाया जाता है। अट्टाई की कंपनी में काम करने वाले लगभग सभी लोग महिलाएं हैं। संगठन की एक हजार से ज्यादा अफगान महिलाएं केसर के फूल तोड़ने में शामिल हैं। इन अफगान महिलाओं का भविष्य 15 अगस्त को अफगानिस्तान में तालिबान शासन की शुरुआत के बाद से ठहर गया है। कई लोग डर के मारे घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। लेकिन अट्टाई 20 साल से बनी हुई जमीन को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि, हम आज बड़ी मुश्किल से इस जगह पर आए हैं,। हम किसी भी हाल में घर पर नहीं बैठेंगे। नई अफगान सरकार में महिला प्रतिनिधि होने की बात तो दूर, तालिबान ने अभी तक लड़कियों को स्कूल या कॉलेज जाने की स्पष्ट अनुमति नहीं दी है। 20 साल की लड़ाई और कड़ी मेहनत के बाद अफगान महिलाओं ने अपनी जमीन खुद बनाई है। उस जमीन पर तालिबान दोबारा कब्जा कर रहा है।

बेसबॉल के प्रेमी हैं जापान के होने वाले नए पीएम फूमिओ किशिदा, सामने होंगी कई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जापान की सत्ता से योशिहिदे सुगा का हटना बिल्कुल साफ हो गया है और इस बीच अब विदेश मंत्री फूमिओ किशिदा जापान की कुर्सी संभाल सकते है। पीएम मद की दौड़ में फूमिओ किशिदा को देखा जा रहा है और उन्होंने सत्तारुढ़ पार्टी के नेता पद का चुनाव भी जीत लिया है।

पीएम पद संभालने के बाद किशिदा के सामने आएंगी ये चुनौतियां

जापान के पीएम की कुर्सी संभालते ही फूमिओ किशिदा के सामने कई चुनौतियां होंगी। एक जगह उन्हें कोरोना महामारी की मार झेल रही जापान की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने को लेकर सोचना होगा तो दूसरी और देश के क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए अमेरिका के साथ मजबूत रिश्ते और गंठबंधन बनाने की चुनौती होगी।

कौन है फूमिओ किशिदा

फूमिओ किशिदा सत्तारूढ पार्टी के निवर्तमान नेता और प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा की जगह आएंगे। आपको बता दें कि जापान के पीएम योशिहिदे सुगा ने पिछले साल सितंबर में पद संभाला था और अब वह यह पद छोड़ रहे है। 64 साल के फूमिओ किशिदा 1993 में राजनिति में आने से पहले बैंक में काम करते थे। बैसबॉल के शौकीन रखने वाले किशिदा ने लॉ की पढ़ाई के लिए भी एंट्रेस दिया था लेकिन इसमें वह 3 बार फेल हुए।किशिदा ने कोरोना महमारी के समय भी जनता की राय के लिए सुझाव पेटी भी रखवाई थी।2012 से 2017 के बीच किशिदा का राजनिति सफर एक विदेश मंत्री के रूप में रहा।शिंजो आबे नजब पीएम पद छोड़ा था तब भी वह पीएम के पद के लिए कोशिश कर रहे थे।

अफगानिस्तान से आईएस को उखाड़ फेंकने के लिए तालिबान ने छेड़ा अभियान

काबुल। (एजेंसी)।

तालिबान ने अफगानिस्तान पर पूरी तरह से राज स्थापित करने के बाद अब अपने पुराने दुश्मन इस्लामिक स्टेट (आईएस) को जड़ से खत्म करने का मन बना लिया है। इसके लिए तालिबान ने एक अभियान की शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबान ने काबुल में मौजूद स्थानीय शासा और नंगरहार पर कार्रवाई करने का मन बनाया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक आईएस के खिलाफ शुरू किए गए अभियान की शुरुआत नंगरहार से होगी। दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों में तालिबान के कई लड़ाकों को निशाना बनाया जा चुका है। जलालाबाद के एक स्थानीय गैस स्टेशन पर खड़े तालिबान के वाहन पर बंदूकधारियों ने गोलियां चलायीं जिससे दो लड़ाकों एवं गैस स्टेशन परिचारक की मौत हो गई थी। इससे पहले भी कई बार तालिबानियों को निशाना बनाया जा चुका है।

20 साल बाद स्थापित किया राज

तालिबान की 15 अगस्त के दिन काबुल में एंट्री के साथ ही अमेरिकी समर्थित अशरफ गनी सरकार गिर गई और चारों तरफ अफरातफरी का महौल था। इसके कुछ हफ्तों के बाद तालिबान ने सरकार गठित कर ली। हालांकि सरकार गठन करने के बाद भी कुछ सरकारी कार्यालय अभी तक नहीं खुले हैं। 20 साल बाद तालिबान को अफगानिस्तान की गद्दी मिली। इसके बावजूद तालिबान नहीं बदला।

तालिबान ने अमेरिकी सैनिकों की वापसी के साथ ही काबुल हवाई अड्डे पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद कई बार तालिबान और आईएस के बीच में भिड़ंत हुई।

आईएसआई के साथ तालिबान के रिश्ते पर बंद कमरों में चर्चा हो : अमेरिका रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सीनेटरों से कहा है कि तालिबान के साथ पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संबंधों पर केवल बंद कमरों के भीतर ही चर्चा की जा सकती है।

उनके साथ दो शीर्ष जनरल भी मौजूद थे। ऑस्टिन ने सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों से कहा, ''पाकिस्तानके बारे में एक गहन बातचीत शायद यहां एक बंद कमरे में उचित होगी।''

उनके दो जनरलों, यूएस ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल मार्क मिले और यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने भी यही कहा। मिले ने कहा, ''मैंने पिछले कुछ वर्षों में और हाल ही में पाकिस्तानियों के साथ कई बार बातचीत की है और मेरे दिमाग में कोई सवाल नहीं है कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच संबंध तेजी से जटिल होते जा रहे हैं।''

आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद अगस्त के आखिरी सप्ताह में अघोषित दौरे पर काबुल गए थे और तालिबान के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। अगस्त के मध्य में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की राजधानी पर कब्जा करने के बाद से वह अफगानिस्तान का दौरा करने वाले पहले उच्च पदस्थ विदेशी अधिकारी थे।

मैकेंजी ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के परिणामस्वरूप तालिबान के साथ पाकिस्तान के संबंध काफी जटिल होते जा रहे हैं। सीनेटर जीन शाहीन ने पूछा, ''क्या हम उम्मीद करते हैं कि तालिबान के सत्ता में आने के बाद यह संबंध और अधिक जटिल हो जाएगा? क्या हम पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और उस क्षमता के बारे में चिंतित हैं कि आतंकवादी समूह उन हथियारों तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं?

सीनेटर गैरी पीटर्स ने पाकिस्तान के साथ साझा हितों के बारे में पूछा तो ऑस्टिन ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक प्रमुख साझा हित अफगानिस्तान या क्षेत्र में मानवीय आपदा को रोकना है। और इसलिए, मुझे लगता है कि हम उस हित को साझा करना जारी रखेंगे।

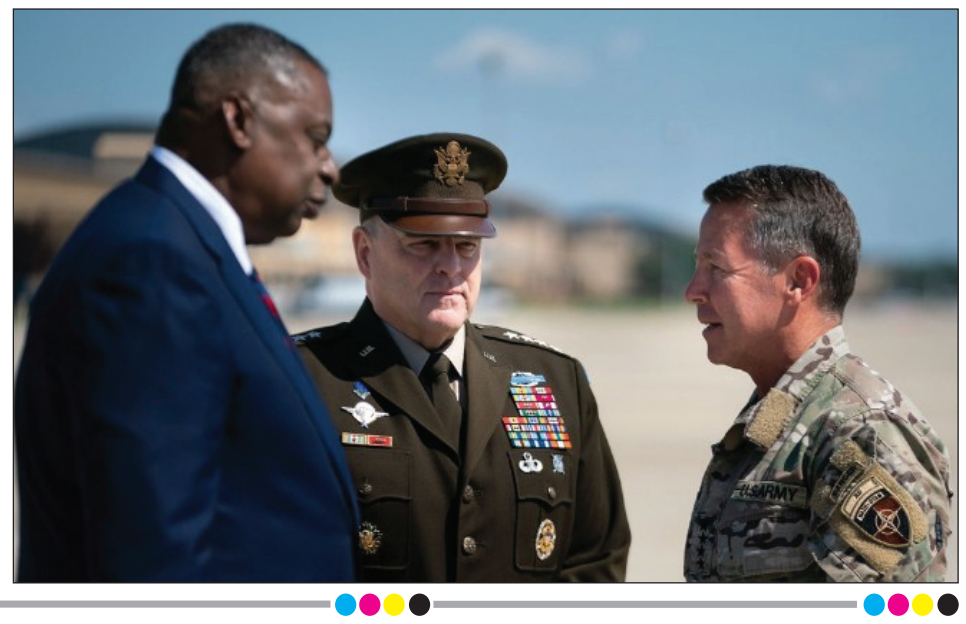

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बूढ़ी दादी की 10 साल की पोती के साथ हैवान ने की दरिंदगी, मिली उम्रकैद की सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की एक विशेष अदालत ने 10 वर्ष की बालिका के साथ बलात्कार करने के जुर्म में एक युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दुर्ग जिले के विशेष लोक अभियोजक कमल किशोर वर्मा ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार को जिले की अपर सत्र न्यायाधीश सरिता दास की अदालत ने 10 वर्षीय बालिका से बलात्कार के जुर्म में लव कुमार पासवान (22) को उसकी प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है तथा उस पर 5500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वर्मा ने बताया कि आठ मई, 2018 को दुर्ग जिले के जामुल क्षेत्र में पासवान (तब 19 वर्ष की आयु) अपनी दादी के साथ उसी इलाके में रहने वाली इस बालिका को अपने घर ले गया था और वहां उसने उसके साथ बलात्कार किया था। पासवान ने बालिका को किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। उन्होंने बताया कि इस घटना से बालिका को चोट पहुंची तथा दूसरे दिन उसने घटना की जानकारी अपनी दादी को दी। बाद में दादी की शिकायत पर पुलिस ने पासवान को भारतीय दंड संहिता और बाल यौन अपराध संरक्षण कानून की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा युवा विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 5 अक्टूबर को दिल्ली में होगी

नई दिल्ली। अगले साल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों पर निगरानी रखते हुए भाजपा की युवा विंग की 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक करेगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक 4 अक्टूबर को और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 5 अक्टूबर को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगी। सूत्रों के अनुसार, पांच राज्यों में युवा मतदाताओं तक पहुंचने की योजना को अंतिम रूप देने के लिए विस्तृत चर्चा की जाएगी। वे किसी भी पार्टी के चुनावी भाग्य को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से भाजपा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली पार्टी है। इस बैठक को भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा 5 अक्टूबर को भाजयुमो की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक अन्य पदाधिकारी ने कहा, बैठक में चुनाव वाले राज्यों के लिए प्रचार पर फैसला लिया जाएगा। इन पांच राज्यों में अधिकांश मतदाता जाति और धर्म के बावजूद, हम केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकार के युवा केंद्रित कार्यक्रमों के साथ उन तक पहुंचेंगे।

यूपी आईएएस अधिकारी के समर्थन में उतरे ओवैसी व शिया धर्मगुरु

लखनऊ। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद उत्तर प्रदेश के आईएएस अधिकारी मोहम्मद इफ्तिखारुद्दीन के समर्थन में सामने आए हैं, जिन पर धर्म परिवर्तन करवाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार राजनीतिक फायदे के लिए मुसलमानों को निशाना बना रही है। ओवैसी ने कहा, यूपी सरकार ने एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के छह साल पुराने वीडियो की जांच करने के लिए एक एसआईटी का गठन किया। वीडियो को संदर्भ से बाहर किया गया है और उस समय का है जब यह सरकार सत्ता में नहीं थी। यह धर्म के आधार पर जबरदस्त और लक्षित उत्पीड़न है। भाजपा सरकार पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए उन्होंने आगे कहा, यदि पैरामीटर यह है कि कोई भी अधिकारी धार्मिक गतिविधि से जुड़ा नहीं होना चाहिए, तो कार्यालयों में सभी धार्मिक प्रतीकों/छवियों के उपयोग पर रोक लगाएं। अगर घर में केवल आस्था की चर्चा करना अपराध है, तो सार्वजनिक धार्मिक उत्सव में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों को दंडित करें। जाने-माने शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद भी आईएएस अधिकारी का समर्थन करने के लिए सामने आए हैं।

सिब्बल के घर पर हमले की खबर सुनकर स्तब्ध और निराश हूं: आनंद शर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने गुरुवार को पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा कपिल सिब्बल के आवास पर हमले और विरोध प्रदर्शन की निंदा की है। शर्मा ने सोनिया गांधी से गुंडों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में, शर्मा ने कहा, कपिल सिब्बल के घर पर हमले और गुंडागर्दी की खबर सुनकर स्तब्ध और निराश हूं। यह निंदनीय कार्रवाई पार्टी को बदनाम करती है और इसकी कड़ी निंदा करने की आवश्यकता है। कांग्रेस के पास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने का इतिहास है। मतभेद और धारणा लोकतंत्र के अभिन्न अंग हैं। असहिष्णुता और हिंसा कांग्रेस के मूल्यों और संस्कृति के लिए अलग है। शर्मा ने ट्वीट में कहा, जिम्मेदारों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें अनुशासित किया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी से संज्ञान लेने और कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। बुधवार शाम को कांग्रेस कार्यकर्ता कपिल सिब्बल के जोरबाग स्थित आवास पर पहुंचे और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी पर निशाना साधने को लेकर उनका विरोध किया।

भाजपा युवा विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 5 अक्टूबर को दिल्ली में होगी

नई दिल्ली। अगले साल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों पर निगरानी रखते हुए भाजपा की युवा विंग की 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक करेगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक 4 अक्टूबर को और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 5 अक्टूबर को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगी। सूत्रों के अनुसार, पांच राज्यों में युवा मतदाताओं तक पहुंचने की योजना को अंतिम रूप देने के लिए विस्तृत चर्चा की जाएगी।

भिन्न विचारधाराओं के बावजूद आपसी भरोसा ही लोकतंत्र की ताकत: प्रधानमंत्री मोदी

मलप्पुरम (केरल)। (एजेंसी)।

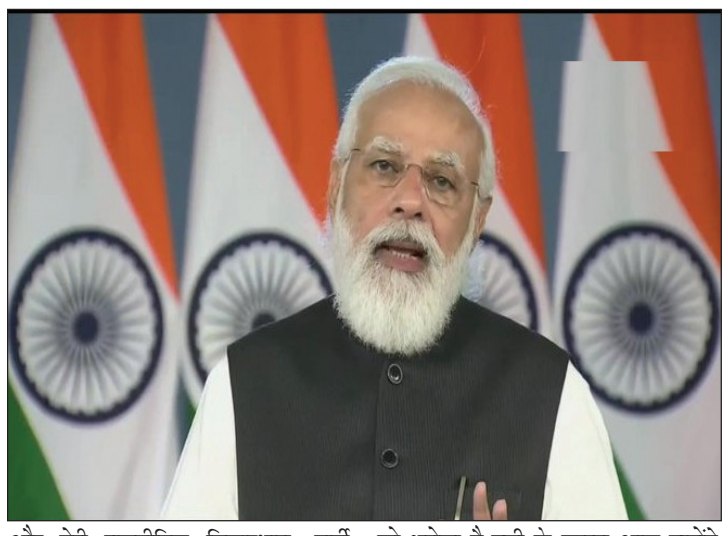

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजनीतिक पार्टियां और विचारधारा अलग अलग होने के बावजूद आपसी भरोसा ही लोकतंत्र की ताकत है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान राजस्थान में कुछ परियोजनाओं और राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के बारे मेंआग्रह किये जाने पर मोदी ने उन्हें धन्यवाद दिया। मोदी ने कहा कि ''अभी जब मैं राजस्थान के मुख्यमंत्री को सुन रहा था तब उन्होंने एक लंबी सूची कामों की बता दी.. मैं राजस्थान के मुख्यमंत्री का धन्यवाद करता हूं कि उनका मुझ पर इतना भरोसा है और लोकतंत्र में यही बहुत बड़ी ताकत है।''

उन्होंने कहा, ''उनकी (गहलोत) राजनीतिक विचारधारा और पार्टी अलग है और मेरी राजनीतिक विचारधारा, पार्टी अलग है लेकिन अशोक जी का मुझ पर जो भरोसा है उसी के कारण आज उन्होंने दिल खोलकर बहुत सी बातें रखी हैं।''

उन्होंने कहा, '' यह दोस्ती, यह विश्वास, यह भरोसा यह लोकतंत्र की बहुत बड़ी ताकत है। मैं राजस्थान के लोगों का हृदय से अभिनंदन करता हूं.. बहुत बहुत बधाई देता हूं।''

राजस्थान में बांसवाड़ा, सिरोही, हनुमानगढ, और दौसा के मेडिकल कॉलेज के शिलायान्स और जयपुर में पेट्रोकेमिकल्स तकनीकी संस्था के लोकार्पण कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री से जोधपुर में चिकित्सा उपकरण पार्क और कोटा में दवा पार्क की स्वीकृति के लिये आग्रह किया था। उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधानी वाली कंपनी आरडीपीएल में दवा विनिर्माण की समीक्षा कर सहयोग मांगा था।

भाजपा ने अस्पतालों के लिए पीडब्ल्यूडी टेंडर में आप पर धोखाधड़ी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। सात अस्थायी अस्पतालों की स्थापना के लिए दिल्ली पीडब्ल्यूडी के टेंडर में बड़ी धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने मुख्य सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) को पत्र लिखकर कहा है कि दिल्ली सरकार ने सभी परियोजनाओं को एक निजी फर्म को सौंपकर पक्षपातपूर्ण फैसला लिया है। उन्होंने इस मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की भूमिका और संलिप्तता की जांच का अनुरोध किया है। मनोज तिवारी द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि 31 अगस्त, 2021 को सेवानिवृत्ति के दिन, शशि कांत, इंजीनियर इन चीफ, दिल्ली पीडब्ल्यूडी, ने एक फर्म - एसएएम (इंडिया) बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में सात स्थानों पर अस्थायी अस्पतालों की स्थापना के लिए 1,256 करोड़ रुपये की तीन टेंडरों को मंजूरी दी थी। ये सात स्थान शालीमार बाग, किरारी, सुल्तानपुरी, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, जीटीबी अस्पताल परिसर, सरिता विहार, रघुबीर नगर हैं। पत्र में आगे आरोप लगाया गया है कि इन सभी मामलों में, मुख्य इंजीनियर संजीव रस्तोगी ने महंगे दाम पर ठेका दिया था। सांसद ने इन परियोजनाओं के संदर्भ में 6 शंकाओं की ओर इशारा किया है। इस महीने की शुरूआत में दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार एक अनूठी निर्माण सामग्री तकनीक के साथ सात नए अस्पतालों का निर्माण कर रही है।

गोरखपुर मामला: योगी आदित्यनाथ ने मानी पीड़ित परिवार की सभी मांगें, बोले- दोषी कोई भी हो बख्शा नहीं जाएगा

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में कथित रूप से पुलिसकर्मियों द्वारा बर्बरतापूर्ण पिटाई किए जाने से एक प्रॉपर्टी डीलर की मौत हो गई। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले गोरखपुर में एक दुखद घटना घटी थी। मैंने उसी दिन गोरखपुर पुलिस को कहा था कि तत्काल मुकदमा दर्ज होना चाहिए और दोषी कोई भी हो बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधी, अपराधी होता है। मैंने कल सुबह ही यहां के जिला प्रशासन को कहा था कि मैं पीड़ित परिवार से मिलना चाहूंगा। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में 556.07 करोड़ रुपए की 45 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर की घटना का भी जिक्र किया।

दोषियों की खैर नहीं !

उन्होंने कहा कि गोरखपुर में दुखद घटना घटी है उसकी पीड़ा के साथ जुड़ना हमारा दायित्व है। दोषी बख्शा नहीं जाएगा, सबकी जवाबदेही भी तय करेंगे। अपराध और अपराधियों को बर्दाश्त न करने की सरकार की नीति किसी से छुपी नहीं है। सरकार ने जो कहा वो करके दिखाया है। कानपुर तो इसका जीता जागता उदाहरण है।

सीएम ने पीड़ित परिवार की मांग मानी

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर पुलिस लाइन में गोरखपुर में मारे गए प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की पत्नी मीनाक्षी से मुलाकात की। इस दौरान मीनाक्षी ने मुख्यमंत्री से नौकरी, मुआवजा और केस को कानपुर ट्रांसफर करने की बात कही। जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केस के संबंध में सरकार आपके साथ है और आपको न्याय मिलकर रहेगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से सीबीआई जांच के लिए अर्जी देने को कहा है। इसी के साथ ही योगी सरकार मीनाक्षी को सरकारी नौकरी देगी और मुआवजे की राशि भी बढ़ाएगी। वहीं मुलाकात के बाद मीनाक्षी ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन से मैं संतुष्ट हूं।

विपक्षी दलों ने सरकार को घेरा

इस मामले को लेकर सपा और बसपा ने योगी सरकार को निशाने पर लिया। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि घटना की गंभीरता और परिवार की व्यथा को देखते हुए मामले की सीबीआई जांच जरूरी है। जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर में पुलिस की बर्बरता ने एक युवा व्यापारी की जान ले ली। ये बहुत ही दुखद और निंदनीय है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने एनकाउंटर (मुठभेड़) की जिस हिंसक संस्कृति को जन्म दिया है, यह उसी का दुष्परिणाम है। संलिप्त लोगों पर हत्या का मुकदमा चले और उत्तर प्रदेश को हिंसा में धकेलने वाले इस्तीफ़ा दें।

लंदन के एक सेमिनार में कश्मीर पर बोलने वाले थे अब्दुल्ला, रहस्यमय तरीके से जूम कॉल से हुए गायब, आयोजक ने कहा- हमें नहीं पता क्या हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला मुख्य वक्ता के रूप में वीडियो लिंक के माध्यम से हिल्टन होटल, ब्राइटन में श्रम कार्यक्रम को संबोधित करने वाले थे। अंग्रेजी अखबार टाइम्स इंडिया ने पत्र के आधार पर सम्मेलन को संबोधित करने की बात की पुष्टि की। अब्दुल्ला स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9.10 बजे अपने श्रीनगर स्थित घर से जूम पर दिखाई दिए, जब उन्होंने अपने ऑडियो और वीडियो की जांच करने के लिए जूम तकनीशियन के साथ एक संक्षिप्त बातचीत की। उन्हें पता चला की कार्यक्रम स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े नौ बजे तक शुरू नहीं होना है तो अब्दुल्ला ने एक छोटा साल ब्रेक लेकर फिर समय पर वापस आने की बात कही। लेकिन अब्दुल्ला ने अचानक ही बिल्कुल रहस्यमय तरीके जूम कॉल छोड़ दिया और फिर वापस जुड़े भी नहीं।

हिंदू फॉर लेबर के अध्यक्ष डॉ नीरज पाटिल ने बाद में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ जुड़ने में हमें इंटरनेट की समस्या आ रही है। वह पहले यहां थे और इंटरनेट की समस्या है। बाद में उन्होंने फिर से दोहराते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि हमें अब्दुल्ला के साथ जुड़ने में कनेक्शन की समस्या हो रही है। बाद में अब्दुल्ला के संबोधन के बिना ही कार्यक्रम समाप्त हो गया। बताया जा रहा है कि वह कश्मीर पर बोलने वाले थे। पाटिल ने कार्यक्रम के दौरान कई बार अब्दुल्ला के निजी मोबाइल पर कॉल करने की कोशिश की लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ था। व्हाट्सएप संदेश भी नहीं गए। वह लाइन पर थे, हमें नहीं पता कि डॉ अब्दुल्ला के साथ क्या हुआ है। पाटिल ने कहा कि मुझे उनका प्राइवेट नंबर मिल गया है और लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ है। जूम होस्ट ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि अब्दुल्ला ने जूम से लॉग ऑफ किया और हम उनसे संपर्क नहीं कर सके।

आरएसएस और अमित शाह के सामने नतमस्तक हुए दिग्विजय, शान में कही ये बात

भोपाल। (एजेंसी)।

सरस्वती शिशु मंदिर पर दिए गए बयान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिग्विजय सिंह ने आरएसएस की तारीफ की। दिग्विजय सिंह का 'नर्मदा के पथिक' किताब के विमोचन कार्यक्रम में शामिल रहे। जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री गृह मंत्री अमित शाह और संघ की जमकर तारीफ की।

दरअसल दिग्विजय सिंह ने अपनी आप बीती सुनाई। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा के दौरान जब हम गुजरात से महाराष्ट्र की सीमा में प्रवेश कर रहे थे तब रात हो चुकी थी। ऐसे समय में वन विभाग के अधिकारियों ने हमारे लिए व्यवस्था की। उन अधिकारियों ने बताया कि हमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह जी के निर्देश हैं कि दिग्विजय सिंह जी की नर्मदा परिक्रमा के दौरान हर प्रकार की व्यवस्था की जाए। उन्हें कोई तकलीफ न हो।

उन्होंने आगे बताया कि नर्मदा परिक्रमा के पड़ाव के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने भी हमारा सहयोग किया। उन्होंने कहा कि मैं संघ का आलोचक हूं, लेकिन मुझे यात्रा के दौरान संघ से जुड़े लोग मिलने आते थे। गुजरात में मुझे संघ से जुड़ी धर्मसाला में रुकने की व्यवस्था की गई।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि मुझे मंडला के रेस्ट हाउस में देर रात सोते समय अनुभूति हुई कि नर्मदा परिक्रमा करें। मेरे विचार थे कि नर्मदा परिक्रमा हेलीकॉप्टर या कार से नहीं बल्कि पैदल की जाए। उन्होंने कहा कि मुझे इस यात्रा में हजारों लोगों का सहयोग मिला।

वहीं इस विमोचन कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उनकी पत्नी व इस यात्रा की सहयात्री अमृता राय ने यात्रा के दौरान आई चुनौतियां और उनके निराकरण से संबंधित बातें साझा की। अमृता राय ने कहा, 'यात्रा के दौरान नर्मदा किनारे बसे लोगों का प्रेम मेरे ऊपर इस कदर हावी हो गया था कि मुझे न बुखार की चिंता होती, न पैरों का दर्द महसूस होता, न खाने पीने का ख्याल रहता न ढंग से सो पाती थी। मुझे बस इस बात की उत्सुकता रहती की आगे फिर नई जगह जाएंगे, वहां नए लोगों से मिलेंगे, उनसे बातचीत करने और उन्हें जानने समझने की मौका मिलेगा।'

दिल्ली में इस साल सार्वजनिक जगहों पर नहीं कर सकेंगे छठ पूजा समारोह, डीडीएमए ने लगाई रोक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में इस साल सार्वजनिक स्थानों और नदी के किनारे छठ का त्योहार मनाने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही त्योहारों के दौरान मेला या खाने-पीने की दुकानें लगाने नहीं दी जाएंगी। यह घोषणा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने बृहस्पतिवार को की। प्राधिकरण ने नए कोविड-19 दिशानिर्देश में हालांकि कहा है कि बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने और समारोह के लिए नियमों में ढील त्योहार मनाने के लिए केवल 15 नवंबर तक दी गई है।

डीडीएमए ने एक आधिकारिक आदेश में कहा, ''दिल्ली में त्योहारों के दौरान प्रदर्शनी, मेला, खाने - पीने की दुकानें, झूला, रैली और जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक स्थानों पर छठ मनाने की भी अनुमति नहीं दी जाएगी और लोगों को सलाह दी जाती है कि वे इस त्योहार को अपने घर में ही मनाएं।'' आदेश में कहा गया है, ''उत्सव समारोह मनाने के लिए सभी आयोजकों को पूर्व में ही संबंधित जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी।जिलाधिकारी या प्राधिकारी निषिद्धक्षेत्र में कोई भी कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं देंगे।'' डीडीएमए ने स्पष्ट किया किसी भी उत्सव में लोगों को खड़े होने या जमीन पर बैठने की अनुमति नहीं होगी और केवल कुर्सियों की व्यवस्था होने और सामाजिक दूरी का अनुपालन करने पर ही कार्यक्रम की अनुमति दी जाएगी।

थल सेना प्रमुख नरवणे बोले- भारत और चीन के बीच सीमा समझौता होने तक सीमा पर घटनाएं होती रहेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

थल सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा पर घटनाएं तब तक होती रहेंगी, जब तक कि दोनों देशों के बीच सीमा समझौता नहीं हो जाता। उन्होंने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में हालिया घटनाक्रम पर भारतीय थल सेना ने निश्चित रूप से ध्यान केंद्रित' किया है और वह खतरे का आकलन करने के साथ ही रणनीति की तैयारी में जुटी हुई है। चीन पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे पास सीमा का एक लंबित मुद्दा है। हम फिर से किसी भी दुस्साहस का सामना करने के लिए तैयार हैं, जैसा कि हमने अतीत में प्रदर्शित किया है।' उन्होंने उद्योग संगठन की वार्षिक सत्र बैठक के दौरान कहा, 'इस तरह की घटनाएं तब तक होती रहेंगी, जब तक कि एक दीर्घकालिक समाधान नहीं हो जाता, और वह है सीमा समझौता। और यह हमारे प्रयासों के केंद्र में होना चाहिए, ताकि हमारी उत्तरी (चीन) सीमा पर स्थायी शांति हो।' अफगानिस्तान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय थल सेना या सशस्त्र बल खतरे की आशंकाओं का समय-समय पर आकलन करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन आकलनों के आधार पर, भारतीय थल सेना भविष्य के खतरों से निपटने के लिए आवश्यक रणनीतियां और सिद्धांत तैयार करती है। नरवणे ने कहा, 'यह निरंतर प्रक्रिया है जो कभी नहीं रुकती है।'

गौरतलब है कि 15 अगस्त को काबुल पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। अफगानिस्तान पर तालिबाान के कब्जे के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए, भारत ने 20 सितंबर को कहा था कि युद्ध प्रभावित देश के भू-भाग का इस्तेमाल आतंकवादी कृत्यों को आश्रय, प्रशिक्षण देने, साजिश रचने या धन मुहैया कराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। जनरल नरवणे ने कहा कि जहां तक आतंकवादी खतरे की बात है, भारतीय थल सेना सभी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जम्मू कश्मीर में एक बहुत ही गतिशील आतंकवाद रोधी और चरमपंथ रोधी ढांचा है। यह एक गतिशील ढांचा है और यह खतरे की धारणा और हमारे पश्चिमी पड़ोसी (पाकिस्तान) द्वारा अधिक से अधिक आतंकवादियों को तैयार करने के प्रयासों के बढ़ते स्तरों पर आधारित है। सेना प्रमुख ने कहा कि उतार-चढ़ाव के आधार पर, हम अपने संचालन के स्तर का भी पुनः आकलन करते रहते हैं। भारत और चीन के बीच मौजूदा सीमा गतिरोध पिछले साल मई में पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद शुरू हुआ था। दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे हजारों सैनिकों के साथ-साथ भारी हथियारों की तैनाती बढ़ा दी थी।

पिछले साल 15 जून को गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद यह गतिरोध बढ़ गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में एक अक्टूबर से महंगी होगी बिजली

नई दिल्ली। दिल्ली के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बुरी खबर है। एक अक्टूबर से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। डीईआरसी ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने गुरुवार को 2021-22 के नए बिजली शुल्क बढ़ाने को लेकर आदेश दे दिए हैं। नए आदेश के मुताबिक कल से दिल्ली में दो प्रतिशत तक बिजली महंगी हो जाएगी। हालांकि, यह बढ़ोतरी काफी मामूली होगी। डीईआरसी ने जारी आदेश में कहा है कि प्रति यूनिट बिजली की दर, फिक्स्ड चार्ज आदि में कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन पेंशन ट्रस्ट सरचार्ज 5% से बढ़ाकर 7% कर दिया है। इसकी वजह से हर उपभोक्ता के बिजली बिल में मामूली बढ़ोतरी होगी। हालांकि प्रति यूनिट ऊर्जा लागत और हर घर के स्वीकृत लोड पर फिक्स चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आपको बता दें कि दिल्ली में बिजली बिल पर जीएसटी के अलावा दो सरचार्ज लगता है। एक है पेंशन सरचार्ज, जिसका इस्तेमाल पूर्व कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए किया जाता है। दूसरा है है रेग्युलेटरी असेट सरचार्ज, जो बिजली वितरण कंपनियों को घाटे की भरपाई के लिए दिया जाता है। नए आदेश में रेग्युलेटरी असेट सरचार्ज पूर्ववत 8 प्रतिशत ही रखा गया है। जानकारी के अनुसार पिछले साल भी, 28 अगस्त, 2020 को जारी अपने टैरिफ आदेश में, डीईआरसी ने पेंशन ट्रस्ट अधिभार को छोड़कर अन्य सभी दरों को बिजली बिल में रखा था। पिछले साल पेंशन सरचार्ज 3.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया गया था और इस साल इसे 7 प्रतिशत कर दिया गया है।

श्राद्ध भोज में आंधी-बारिश से हादसा

औरंगाबाद : भोजन कर रहे 7 लोगों पर तीसरी मंजिल से गिरी छत की रेलिंग, 3 की मौत, 4 गंभीर

औरंगाबाद में बुधवार शाम श्राद्ध का भोजन कर रहे 7 लोगों पर अचानक तीसरी मंजिल की रेलिंग टूटकर गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग जख्मी हैं। जिस जगह पर श्राद्ध में लोगों को खाने के लिए व्यवस्था की गई थी, उस जमीन के दोनों तरफ तीन मंजिल मकान हैं। मकान के ऊपर पांच इंच की रेलिंग थी। इस पर बांस रखकर त्रिपाल का टेंट बांधकर लोगों को खाने के लिए बैठाया गया था। कुछ खाना खा रहे थे, कुछ लोग खड़े थे। इसी दौरान आंधी और बारिश आ गई। इससे पांच इंच की रेलिंग भर-भराकर नीचे गिर गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। लोगों के चीख-पुकार से इलाका गूंज उठा। आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान ही राजकुमार यादव, विश्वनाथ प्रसाद और राहुल की मौत हो गई। अन्य का इलाज किया गया। घटना की सूचना पाकर रफीगंज थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। जहां से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शहर के धुनिया मुहल्ला निवासी रमेश प्रसाद किराना व्यवसायी थे। वे मोहल्ले में ही किराना दुकान चलाते थे। 11 दिन पहले उनकी मौत हो गई थी। बुधवार को श्राद्ध कार्यक्रम था। लोग एक दूसरे से मिल रहे थे, तभी अचानक रेलिंग टूटकर गिरी।

बक्सर में यात्रियों से भरी बस गड्ढे में पलटी, 12 घायल

बिहार के बक्सर जिले में गुरुवार सुबह महिला यात्रियों से भरी हुई एक बस गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में करीब 12 लोग घायल हो गए। घायलों को पीएचसी राजपुर में भर्ती कराया गया। ड्राइवर को झपकी आ जाने के कारण ये हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार बस में सवार सभी महिलाएं रोहतास जिले की रहने वाली हैं और गंगा स्नान करके लौट रही थी। राजपुर प्रखंड के एक पेट्रोल पंप के पास बस पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों के बीच चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज कराने के बाद सभी यात्रियों को दूसरी गाड़ी से उनके गांव के लिए रवाना कर दिया गया। राजपुर के थानेदार युसूफ अंसारी के अनुसार हादसे में 2 यात्री गंभीर रूप से घायल थे। उन्हें इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

अखिलेश को बड़ा झटका देने की तैयारी

उन्नाव में राजा भइया से मिले शिवपाल यादव

उन्नाव। सीएम योगी की जनसभा से पहले जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया का कार लखनऊ से झांसी तक दौरे के दौरान उन्नाव में जगह-जगह स्वागत हुआ। उन्नाव पहुंचे राजा भइया ने जनसेवा संकल्प यात्रा को लेकर नीतियों का बखान किया। इसी दरम्यान कानपुर जाते समय प्रगतिशील पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव उन्नाव में कार से उतरकर राजा भइया से मिले और उन्होंने उन्हें गले लगाया। कुछ पल दोनों की वार्ता भी हुई। इसके बाद शिवपाल कार से कानपुर रवाना हो गए। दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर उन्नाव राजनीतिक गलियारे में गहमा गहमी बढ़ गई। गुरुवार सुबह शहर के गदन खेड़ा बाईपास पहुंचे राजा भइया ने कहा कि जन सेवा संगठन यात्रा का आज दूसरा चरण है। झांसी तक जा रही यात्रा का उद्देश्य है कि सभी समर्थित कार्यकताओं से मिलना और नीतियों का प्रचार करना है।

लगभग सभी जिलों में पार्टी के गठन की समीक्षा करना है। तभी लखनऊ कानपुर हाईवे से ही गुजर रहे शिवपाल यादव से मुलाकात के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि 1993 में विधानसभा निर्वाचित होकर आए। उसके बाद 1996 से शिवपाल से मेरे पारिवारिक संबंध हैं। यहां पर गठबंधन वाली कोई बात नहीं है। संबंध होना एक अलग बात है। राजनीतिक गठबंधन जब होगा बताया जाएगा। आज शिवपाल सिंह यादव व राजा भइया की मुलाकात चर्चा का विषय बनी रही।

पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह बोले:

पतन की ओर कांग्रेस पार्टी, बताई वजह

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हाल ही में इस्तीफा देने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अब कांग्रेस पार्टी छोड़ने का भी ऐलान कर दिया है। इस बीच उन्होंने यह भी कहा है कि कांग्रेस पतन की ओर है और इसकी वजह वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार किया जाना है। कैप्टन अमरिंदर ने जहां एक तरफ खुद को अपमानित बताया है, वहीं एक दिन पहले ही पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा है। पंजाब के पूर्व सीएम ने एक तरफ जहां कांग्रेस पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है तो वहीं बीजेपी में जाने की अटकलों को खारिज किया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के दफ्तर की ओर से कहा गया, "पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साफ कर दिया है कि वह बीजपी में नहीं जा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस में भी बने रहने की इच्छा नहीं है, जोकि अब वरिष्ठ नेताओं को पूरी तरह नजरअंदाज किए जाने और बोलने नहीं देने की वजह से पतन की ओर जा रही है।" कैप्टन ने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को 'जी 23' की बात सुननी चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और विवेक तन्खा सहित 23 प्रमुख नेताओं ने पिछले वर्ष कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी में संगठन चुनाव करवाने की मांग की थी। इस समूह के एक नेता जितिन प्रसाद अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। कपिल सिब्बल ने एक दिन पहले ही पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए परोक्ष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधा था और कहा था कि जिन लोगों को वे अपना खास मानते हैं वे पार्टी छोड़कर जा चुके हैं और जिन्हें वह नजदीकी नहीं मानते वे पार्टी के साथ बने हुए हैं।

पीएम मोदी को पसंद आया केंद्रीय मंत्री का डांस

खुद शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में किरेन रिजिजू अरुणाचल प्रदेश के एक गांव में ग्रामीणों के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश के इस पारंपरिक डांस वीडियो को देखकर पीएम मोदी ने खुद इसे शेयर किया और इसकी सराहना की है। यह वीडियो अरुणाचल प्रदेश का है और स्थानीय लोगों के साथ किरेन रिजिजू इसमें नजर आ रहे हैं। दरअसल, इस वीडियो को किरेन रिजिजू ने अपने ट्विटर पर शेयर किया है। इसी वीडियो को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, 'हमारे कानून मंत्री किरेन रिजिजू भी एक अच्छे डांसर हैं। अरुणाचल प्रदेश की जीवंत और गौरवशाली संस्कृति को देखकर अच्छा लगा।' इसके बाद यह वीडियो वायरल हो गया और लोग इस पर अपनी टिप्पणियां करने लगे। इससे पहले केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'मेरी यात्रा के दौरान जब हम विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय परियोजनाओं की निगरानी के लिए सुंदर काजलंग गांव गए। जब भी मेहमान इन लोगों के गांव आते हैं तो यह सजोलंग डांस लोगों का पारंपरिक मनोरंजन होता है। यहां के मूल लोक गीत और नृत्य अरुणाचल प्रदेश के हर समुदाय का सार हैं।' इसी वीडियो को शेयर करते हुए पीएम मोदी ने किरेन रिजिजू को 'डिसेंट डांसर' बताया है। वीडियो में रिजिजू सफेद शर्ट, ट्राउजर, जैकेट और जूते पहने हुए गांव वालों के साथ नृत्य करते दिख रहे हैं।

कानपुर : मनीष मर्डर केस में ऐक्शन में योगी सरकार

केस होगा ट्रांसफर, पत्नी को ओएसडी की नौकरी, मुआवजा भी मिलेगा

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर पुलिस लाइन में गोरखपुर में पुलिस पिटाई में मारे गए प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की पत्नी मीनाक्षी से मुलाकात की। मीनाक्षी ने नौकरी, मुआवजा और गोरखपुर से कानपुर केस ट्रांसफर कराने की मांग सीएम योगी ने मान ली। सीएम योगी ने मनीष गुप्ता की पत्नी को विकास प्राधिकरण में ओएसडी की नौकरी देने और राहत राशि भी 10 लाख से बढाने के लिये जिला प्रशासन से प्रस्ताव देने को कहा है। परिवार ने सीबीआई जांच की भी मांग रखी। सीएम ने इस पर भी आश्वासन दिया। सीएम ने कहा कि जांच के संबंध में भी जो कुछ होगा किया जाएगा। सरकार आपके साथ है। हर हाल में न्याय मिलेगा। सीएम ने कहा कि दो दिन पहले गोरखपुर में हुई घटना बेहद शर्मनाक है। कल सुबह ही मैंने पीड़ित परिवार से मिलने की इच्छा जताई थी। अपराध और अपराधियों के प्रति हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। कोई अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर तंज कसा कि सौ चूहे खाकर बिल्ली हज करने चली। ये लोग प्रदेश को बदनाम, अराजकता, फैलाने और माफिया की पैरवी करने वाले लोग हैं। सरकारी योजनाओं में डकैती डालने वालों को अब परेशान नहीं हो रही है। माफिया के कब्जे पर जब बुलडोजर चलता है तो इन्हें बुरा लगता है। यह लोग तो वह लोग हैं जिन्होंने परिवार को ही प्रदेश मान लिया था। नौकरी निकलती थी तो परिवार का एक सदस्य वसूली पर निकल पड़ता था।अब प्रदेश की सरकारी भर्तियों पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों का नाम लिए कहा कि प्रदेश के लोगों के जीवन और जीविका के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं देंगे। ये वही लोग है जिनके नेतृत्व में प्रदेश में दंगे होते थे। सीएए के दौरान कानपुर में भी दंगा कराया। ऐसे लोगों से सरकार को निपटना आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी सुरक्षा का बेहतरीन बेहतरीन मॉडल दे रहा है।विकास और सुशासन के मॉडल से नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बन रहा है। साढ़े 4 वर्ष से समर्पण के साथ मिशन उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कानपुर पहुंचने से पहले सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता के परिजनों से मुलाकात की। इन दौरान अखिलेश ने उनका ढांढस बंधाया और परिवार की मदद के लिए समाजवादी पार्टी की तरफ से 20 लाख रुपये का आर्थिक सहायता का ऐलान किया। यह भी कहा कि सपा परिवार के न्याय के लिए हर संभव प्रयास करेगी। पीड़ित परिजनों से मिलने के बाद पत्रकारों से बीतचीत में अखिलेश ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार पुलिस से गलत काम करा रही है।

पाकिस्तान के पेशावर में सिख हकीम की हत्या, दागीं 4 गोलियां

नई दिल्ली। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक सिख समुदाय के एक और व्यक्ति को निशाना बनाकर हमला किया गया है। पेशावर के छारसाद्दा रोड पर सिख समुदाय से जुड़े एक हकीम की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने क्लीनिक में घुसकर सतनाम सिंह को चार गोलियां दागीं। सतनाम सिंह को घायल अवस्था में लेडी रीडिंग हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आगे कहा कि सतनाम सिंह एक दिन पहले ही हस्सन अब्दाल से पेशावर आए थे। एक्सप्रेस ट्रब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैपिटल सिटी पुलिस ऑफिसर पेशावर ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू और सिख समुदाय को लगातार निशाना बनाया जाता रहा है। कभी जबरन धर्मांतरण कराया जाता है तो कभी निर्ममता से हत्या कर दी जाती है। विभाजन के बाद से यहां हिंदुओं और सिखों की आबादी लगातार घटती गई।

महाराष्ट्र एटीएस ने देश को दहलाने की साजिश कर रहे संदिग्ध को किया गिरफ्तार !

मुंबई। महाराष्ट्र एटीएस ने गुरुवार को एक और आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए आतंकी इरफान शेख के तार 15 सितंबर को दिल्ली में पकड़े गए 6 आतंकवादियों से जुड़े हैं। दिल्ली पुलिस ने इन आतंकवादियों को गिरफ्तार कर बड़ी साजिश का पदार्फाश किया था। दिल्ली पुलिस द्वारा आतंकी साजिश का पदार्फाश किए जाने के बाद महाराष्ट्र एटीएस ने अबतक 3 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकवादियों में इरफान शेख और पहले पकड़े गए दो आतंकवादियों जाकिर हुसैन शेख और रिजवान मोमिन के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला चल रहा है। महाराष्ट्र एटीएस को मुंब्रा आवास से एक टूटा हुआ मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध दस्तावेज मिले थे। जिसके बाद पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में रिजवान मोमिन को गिरफ्तार किया था। पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश होने के बाद पता चला था कि इसका हिस्सा रहे आतंकवादियों को पुलों को उड़ाने की ट्रेनिंग दी गई थी। इसके अलावा इन्हें रेलवे लाइन के बारे में भी बताया गया था। कहा तो यहां तक जा रहा है कि आतंकवादी ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान गए थे लेकिन उनके पासपोर्ट पर कोई भी मुहर नहीं लगी हुई है। बाद में जानकारी मिली की समुद्री रास्ते का इस्तेमाल किया गया था। यह लोग देश को दहलाने की योजना बना रहे हैं।

दिग्विजय सिंह ने की अमित शाह और आरएसएस की तारीफ, बताया कैसे मुश्किल में फंसने पर गृहमंत्री ने भेजी थी मदद

नई दिल्ली। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और गृहमंत्री अमित शाह के सबसे बड़े आलोचकों में शामिल हैं। हालांकि, गुरुवार को उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि किस तरह चार साल पहले नर्मदा परिक्रमा यात्रा के दौरान शाह और संघ कार्यकताओं ने उनकी मदद की थी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उनकी पत्रकार पत्नी अमृता ने 2017 में नर्मदा नदी के तट पर पैदल परिक्रमा की थी। अपने पुराने सहयोगी ओपी शर्मा की किताब 'नर्मदा के पथिक' के विमोचन कार्यक्रम में सिंह ने कहा, "एक बार हम गुजरात में अपने गंतव्य पर रात 10 बजे पहुंचे। जंगल के इलाके में आगे जाने का रास्ता नहीं था और रातभर रुकने की कोई सुविधा नहीं थी। एक वन अधिकारी आया और आपको यह जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने हमें बताया कि अमित शाह ने उन्हें हमें पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया था।" कांग्रेस नेता ने कहा, "गुजरात में चुनाव हो रहे थे, दिग्विजय उनका सबसे बड़ा आलोचक है, लेकिन उन्होंने (शाह) ने यह सुनिश्चित किया कि हमारी यात्रा में कोई दिक्कत ना हो। उन्होंने पहाड़ों के बीच से हमारे लिए रास्ता निकाला और हम सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी की।" दिग्विजय सिंह ने छह महीने में 3 हजार किलोमीटर की यात्रा की थी। उन्होंने आगे कहा, "आज तक मैं शाह से नहीं मिला हूं, लेकिन उचित माध्यम से मैंने उनका आभार जताया।" उन्होंने कहा कि यह 'राजनीतिक समन्वय' का एक उदाहरण है। दिग्विजय सिंह ने यह भी कहा कि वह आरएसएस के भी आलोचक हैं, लेकिन इसके कार्यकर्ता यात्रा के दौरान उनसे मिलते रहे। दिग्विजय ने कहा, "मैंने उनसे पूछा कि वे इतनी तकलीफ क्यों उठा रहे हैं, उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें मुझसे मिलने का आदेश दिया गया है।" कांग्रेस नेता ने याद किया कि जब वे भरूच क्षेत्र से गुजर रहे थे, आरएसएस कार्यकताओं ने एक दिन मांझी समाज धर्मशाला में उनके समूह के ठहरने की व्यवस्था की और जिस हॉल में उन्हें रखा गया था, दीवारों पर आरएसएस के दिग्गजों केशव बलिराम हेडगेवार और माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर की तस्वीरें थीं। दिग्विजय ने कहा कि वह यह सब इसलिए बता रहे हैं ताकि लोग जानें कि धर्म और राजनीति अलग है और उन्होंने अपने तीर्थ के दौरान सबसे मदद ली।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com